पेज : 2

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, शनिवार, 10 मई 2025, वर्ष : 9, अंक : 44 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

भारत के जवाबी हमलों से थर्राया पाकिस्तान...

भारत ने पाक के लड़ाकू विमान गिराए और पायलट पकड़े...

* जवाब में भारत ने ड्रोन हमले किए, अपनी सरकार और सेना को कोस रहे पाकिस्तानी... पाक संसद में नेता ने अपने पीएम को कोसते हुए कहा-मोदी के नाम से डरते हो... तुम बुजदिल हो शहबाज

* पाकिस्तान ने कल रात दागे थे 500 ड्रोन, 24 शहरों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश

* पाक की मिसाइलें भारत के डिफेंस सिस्टम ने रोकीं।

* भारतीय वायुसेना ने तीन पाकिस्तानी फाइटर जेट गिराए।

नई दिल्ली । भारत ने पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया। उसके बाद से बौखलाए पाकिस्तान ने दो बार भारत के कई शहरी इलाकों पर मिसाइल दागी, जिसको भारत के मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम किया।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान के दो जेएफ-17 और एक एफ-16 फाइटर जेट को गिराया। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान के दो फाइटर पायलट को भी अपने कब्जे में ले लिया है। भारत ने 8 मई की रात पाकिस्तान के हमलों का जवाब देते हुए पाकिस्तान के लाहौर, कराची और रावलपिंडी में ड्रोन अटैक किए, जिससे वहां भारी तबाही की सूचना है।

संसद में शहबाज को लताड़ा

पाकिस्तान की शाहबाज सरकार की चारों तरफ आलोचनाओं का शिकार हो रहा है। इस दौरान पाकिस्तान की संसद में सांसद शाहिद खट्टर ने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ को जमकर सुनाया है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ नरेंद्र मोदी का नाम तक नहीं ले पाते हैं। बुजदिल लीडरशिप के अंडर सेना कभी जंग नहीं पाएगी।

गुजरात के 18 जिले हाई अलर्ट पर

पाकिस्तान ने लगातार दूसरे दिन यानी 8 मई को गुजरात के कच्छ जिले में ड्रोन हमले की कोशिश की। कच्छ सीमा पर ड्रोन हमले की कोशिश करते हुए तीन ड्रोन मार गिराए गए। गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान से हमले की आशंका के चलते राज्य के 18 जिले हाई अलर्ट पर हैं। भुज एयरपोर्ट सेना ने अपने कब्जे में ले लिया है। बनासकांठा, कच्छ और पाटण के सीमावर्ती इलाकों के गांवों में गुरुवार की रात ब्लैकआउट लागू कर दिया गया था। हालांकि, सुबह होते ही बिजली सप्लाई शुरू कर दी गई।

सोमनाथ मंदिर में सुरक्षा बढ़ाई गई

इसके अलावा राज्य में ज्योतिर्लिंग सोमनाथ, शक्तिपीठ अंबाजी और द्वारका मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। सोमनाथ मंदिर को पहले से ही जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई है। इसके तहत यहां तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था है। इसके साथ ही यहां बम और डॉग स्क्वॉड भी तैनात हैं।

संक्षिप्त समाचार

विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान, भारत आतंकवाद की चुनौती का डटकर सामना कर रहा, आतंक के लिए शून्य सहनशीलता होनी चाहिए

नई दिल्ली / भव्य खबर/ एजेंसी । नई दिल्ली में यूरोप दिवस समारोह में विदेश मंत्री (ईएएम) डॉ. एस जयशंकर शामिल हुए और भारत के साथ एकजुटता में खड़े होने के लिए सभी का धन्यवाद दिया। नई दिल्ली में समारोह में बोलते हुए, जयशंकर ने आतंकवाद की चल रही चुनौती को संबोधित किया, इसे वैश्विक समुदाय के लिए एक साझा खतरा बताया। जयशंकर ने शुक्रवार को भारत के साथ एकजुटता में खड़े होने के लिए रूस को धन्यवाद दिया और पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद की चुनौती का सामना करने के खिलाफ देश की दृढ़ प्रतिक्रिया की पुष्टि की। नई दिल्ली में समारोह में बोलते हुए, जयशंकर ने आतंकवाद की चल रही चुनौती को संबोधित किया, इसे वैश्विक समुदाय के लिए एक साझा खतरा बताया।विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, "हम आज ऐसे समय में एकत्र हुए हैं जब भारत आतंकवाद की चुनौती का दृढ़ता से सामना कर रहा है। हमारा मानना है कि यह एक साझा खतरा है जिसके लिए शून्य सहनशीलता होनी चाहिए। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने हमारे साथ एकजुटता व्यक्त की है और दृढ़ प्रतिक्रिया की आवश्यकता को पहचाना है... जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बुधवार की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किए जाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। इस बीच, पाकिस्तान ने शुक्रवार शाम को जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर छोटे हथियारों और तोपों से गोलीबारी की। भारतीय सेना ने भी इसका उचित जवाब दिया है। जम्मू में लगातार दूसरे दिन सायरन बजा, क्योंकि पाकिस्तान ने पुंछ और उरी समेत जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में गोलाबारी शुरू कर दी है। जम्मू में धमाके सुने गए और शहर में दूसरे दिन भी ब्लैकआउट रहा। इस बीच, बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना, नौसेना और वायुसेना के प्रमुखों के साथ एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता की। गुरुवार को पाकिस्तान ने जम्मू, राजस्थान और पंजाब समेत भारत के कई इलाकों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन से कई हमले किए। भारत ने सभी आने वाले खतरों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया।

देशभर में 27 हवाई अड्डे बंद-दिल्ली एयरपोर्ट पर 138 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

नई दिल्ली / भव्य खबर/ एजेंसी । सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को विभिन्न एयरलाइनों ने दिल्ली हवाई अड्डे से आने-जाने वाली 138 उड़ानें रद्द की हैं। हवाई अड्डों पर भी सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर दिल्ली एयरपोर्ट पर शुक्रवार को 138 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को विभिन्न एयरलाइनों ने दिल्ली हवाई अड्डे से आने-जाने वाली 138 उड़ानें रद्द की हैं। हवाई अड्डों पर भी सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर देश के विभिन्न भागों में लगभग 27 हवाईअड्डे बंद हैं। सूत्रों ने कहा है कि शुक्रवार को सुबह 5 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच दिल्ली एयरपोर्ट जाने वाली कुल 66 घरेलू और 63 आने वाली उड़ानों के साथ ही पांच अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान और 4 आगमन उड़ानें रद्द कर दी गईं।दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने एक एक्स पोस्ट में लिखा है कि दिल्ली हवाई अड्डे पर परिचालन सामान्य बना हुआ है। हालांकि, हवाई क्षेत्र की बदलती परिस्थितियों और सुरक्षा उपायों के कारण कुछ उड़ानों के समय पर असर पड़ सकता है। डीआईएएल ने यात्रियों को सुरक्षा चौकियों पर अतिरिक्त समय के लिए तैयार रहने और सुचारू प्रक्रिया के लिए एयरलाइन और सुरक्षा कर्मचारियों के साथ सहयोग करने की भी सलाह दी।

सेनाओं ने सरकार को दिलाया भरोसा-

सभी नापाक मंसूबों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा

* शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने लड़ाकू वर्दी पहनकर हर स्थिति का माकूल जवाब देने का संदेश दिया

* बढ़ते तनाव के बीच रक्षा मंत्री ने शीर्ष सैन्य नेतृत्व से मौजूदा हालात के बारे में जानकारी ली

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बड़े पैमाने पर किए गए पाकिस्तानी ड्रोन हमले को विफल करने के बाद हालात पर आज चीफ डिफेंस ऑफ स्टाफ और तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठक की। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को साउथ ब्लॉक में दो घंटे चली इस समीक्षा बैठक में शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने लड़ाकू वर्दी पहनकर हर तरह का मुकाबला करने का संदेश दिया। देश की वर्तमान सुरक्षा स्थिति पर तीनों सेनाओं ने सरकार को भरोसा दिलाया कि राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए सभी नापाक मंसूबों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा।

रक्षा मंत्री के साथ सीडीएस जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह और रक्षा सचिव आरके सिंह सहित सेना के शीर्ष अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। यह बैठक ऑपरेशन %सिंदूर% के बाद पाकिस्तान की सैन्य गतिविधियों पर भारत की जवाबी कार्रवाई के मद्देनजर हुई, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद भारतीय सेना ने 8 और 9 मई की मध्यरात्रि के दौरान पश्चिमी सीमा और जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की ओर से किए गए कई ड्रोन हमलों को नाकाम किया।

भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान के सशस्त्र बलों ने 08 और 09 मई की मध्यरात्रि को पूरे पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों का उपयोग करके कई हमले किए। पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर कई संघर्ष विराम उल्लंघन (सीएफवी) भी किए। ड्रोन हमलों को प्रभावी ढंग से विफल किया गया और सीएफवी को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। भारतीय सेना राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सभी नापाक मंसूबों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा। रक्षा अधिकारी ने कहा कि भारत में निर्मित आकाश सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली का भारतीय सशस्त्र बलों ने भारतीय लक्ष्यों पर पाकिस्तानी हमलों को विफल करने में प्रभावी ढंग से उपयोग किया है। भारतीय सेना और वायु सेना दोनों के पास पाकिस्तान सीमा पर मिसाइल प्रणाली है।

रक्षा अधिकारियों के अनुसार स्वदेशी रूप से विकसित आकाश सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली ने गुरुवार को भारतीय संपत्तियों को निशाना बनाने वाले पाकिस्तानी ड्रोन हमलों को विफल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना और वायु सेना दोनों ने पाकिस्तान सीमा पर मिसाइल प्रणाली तैनात की है। आकाश वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है, जो मोबाइल, अर्ध-मोबाइल और स्थिर कमजोर बलों और क्षेत्रों को कई हवाई खतरों के खिलाफ क्षेत्र की वायु रक्षा प्रदान करती है।

इस प्रणाली में अत्याधुनिक विशेषताएं और क्रॉस-कंट्री मोबिलिटी है। वास्तविक समय में मल्टी-सेंसर डेटा प्रोसेसिंग और खतरे का मूल्यांकन किसी भी दिशा से कई लक्ष्यों को एक साथ निशाना बनाने में सक्षम बनाता है। कल रात जब पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं (आईबी) के साथ विभिन्न स्थानों पर झुंड ड्रोन भेजने के प्रयास किए, तो भारतीय सेना की वायु रक्षा इकाइयों ने उधमपुर, सांबा, जम्मू, अखनूर, नगरोटा और पठानकोट क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर किए गए काउंटर-ड्रोन ऑपरेशन के दौरान 50 से अधिक ड्रोन को सफलतापूर्वक निष्प्रभावी कर दिया। इस कार्रवाई में एल-70 गन, जू-23 मिमी, शिल्का सिस्टम और अन्य उन्नत काउंटर-यूएएस उपकरणों का व्यापक उपयोग किया गया, जिससे हवाई खतरों का मुकाबला करने की सेना की मजबूत क्षमता का प्रदर्शन हुआ।

जम्मू में फिर हुआ ब्लैकआउट,

धमाके की आवाजें हुईं तेज, पाक ड्रोन हमले के बाद बजे सायरन

सीएमउमर अब्दुल्ला ने कर दिया ये ट्वीट...

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू में लगातार दूसरे दिन सायरन बजा, क्योंकि पाकिस्तान ने पुंछ और उरी समेत जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में गोलाबारी शुरू कर दी है। जम्मू में धमाके सुने गए और शहर में दूसरे दिन भी बिजली गुल रही। इस बीच, बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना, नौसेना और वायुसेना के प्रमुखों के साथ एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता की। गुरुवार को पाकिस्तान ने जम्मू, राजस्थान और पंजाब समेत भारत के कई इलाकों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन से कई हमले किए। भारत ने सभी आने वाले खतरों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया।

जम्मू में देखे गए पाकिस्तानी ड्रोन

पाकिस्तानी ड्रोन अब जम्मू में देखे गए हैं। शुक्रवार रात जम्मू में कई धमाके सुने गए और पाकिस्तान के बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले के एक दिन बाद सायरन बजने लगे। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट किया, 'जहां मैं हूं, वहां से अब रुक-रुक कर धमाकों की आवाजें, शायद भारी तोपों की आवाजें सुनी जा सकती हैं।'

इसके अलावा दूसरे ट्वीट में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा जम्मू और उसके आस-पास के सभी लोगों से मेरी विनम्र अपील है कि कृपया सड़कों पर न निकलें, घर पर रहें या किसी ऐसे नजदीकी स्थान पर रहें जहाँ आप अगले कुछ घंटों तक आराम से रह सकें। अफ़वाहों पर ध्यान न दें, बेबुनियाद या असत्यापित कहानियाँ न फैलाएँ और हम सब मिलकर इससे निपट लेंगे।

पाकिस्तान की कायराना चाल: नागरिक विमानों को बना रहा हमलों की ढाल, कर्नल सोफिया ने किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में पाकिस्तान द्वारा की गई कायराना हरकतों की भारत सरकार ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग में विस्तार से जानकारी दी। विदेश मंत्रालय की ओर से हुई इस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिसरी, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने हिस्सा लिया और पाकिस्तानी रणनीति की परतें खोल कर रख दीं।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने मीडिया के सामने कुछ तस्वीरें पेश करते हुए यह खुलासा किया कि पाकिस्तान ने अपने सैन्य हमलों के दौरान नागरिक विमानों को जानबूझकर ढाल के रूप में इस्तेमाल किया। हमले के वक्त करांची और लाहौर एयरस्पेस में पैसेंजर फ्लाइट्स हवा में थीं, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि पाकिस्तान ने हवाई क्षेत्र को जानबूझकर खुला रखा ताकि भारत जवाबी कार्रवाई में संयम बरते और हमलों को रोका जा सके। कर्नल सोफिया ने बताया कि पाकिस्तान ने भारत के 36 ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिनमें उत्तरी और पश्चिमी भारत के कई सैन्य प्रतिष्ठान शामिल थे। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना ने संयम बरतते हुए जवाबी कार्रवाई की और आम नागरिकों को कोई नुकसान न हो इसका विशेष ध्यान रखा गया।

तुर्किये निर्मित ड्रोन का इस्तेमाल

कर्नल सोफिया के अनुसार, पाकिस्तान ने तुर्किये में निर्मित ड्रोन से हमला किया। भारत ने इन हमलों का जवाब देते हुए पाकिस्तान की सर्विलांस रडार प्रणाली को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई पाकिस्तान की सेना के लिए बड़ा सामरिक झटका साबित हुई है।

मिसरी की पाक को चेतावनी

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतें न केवल भारत-पाक संबंधों को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन सुरक्षा के लिए भी खतरा हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की यह रणनीति अंतरराष्ट्रीय कानून और जिनेवा संधियों का उल्लंघन है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने लगाई रक्षा अभियानों की लाइव कवरेज पर रोक

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को सभी मीडिया चैनलों को रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों की लाइव कवरेज से बचने की हिदायत दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि सभी मीडिया चैनलों को रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही के लाइव कवरेज को दिखाने से परहेज करना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया यूजर्स से अनुरोध है कि वे रक्षा और अन्य सुरक्षा संबंधी अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय अत्यंत जिम्मेदारी बरतें और मौजूदा कानूनों व नियमों का सख्ती से पालन करें। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से रक्षा अभियानों या सुरक्षा बलों की गतिविधियों से संबंधित रीयल-टाइम कवरेज, विजुअल का प्रसार या सूत्र आधारित जानकारी की रिपोर्टिंग नहीं की जानी चाहिए। संवेदनशील जानकारी का समयपूर्व खुलासा अनजाने में शत्रु की मदद कर सकता है और अभियान की प्रभावशीलता और कर्मियों की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। पिछली घटनाओं ने जिम्मेदार रिपोर्टिंग के महत्व को रेखांकित किया है। कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकी हमले और कंधार अपहरण जैसे मामलों में अनियंत्रित कवरेज से राष्ट्रीय हितों पर प्रभाव पड़ा था। मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और व्यक्ति राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कानूनी दायित्वों के अलावा, यह हमारा साझा नैतिक उत्तरदायित्व है कि हमारे सामूहिक कार्य चल रहे अभियानों या हमारी सेनाओं की सुरक्षा को खतरे में न डालें। इस आदेश में कहा गया है कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने पहले ही सभी टीवी चैनलों को केबल टेलीविजन नेटवर्क नियमों का पालन करने के लिए परामर्श जारी किया है। केबल सेवा में कोई भी कार्यक्रम प्रसारित नहीं किया जाना चाहिए, जिसमें सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवाद विरोधी अभियान की लाइव कवरेज हो, ऐसी मीडिया कवरेज केवल उपयुक्त सरकार द्वारा नामित अधिकारी की ओर से समय-समय पर दी गई जानकारी तक सीमित होगी, जब तक कि वह अभियान समाप्त न हो जाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने सशस्त्र बलों के पूर्व अधिकारियों से बात की

जम्मू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पाकिस्तान के साथ चल रहे संघर्ष के बीच तीनों सेनाओं के पूर्व प्रमुखों सहित कई पूर्व सैन्य अधिकारियों के साथ व्यापक बातचीत की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इनमें सेना, वायुसेना और नौसेना के पूर्व प्रमुखों के अलावा देश की सेवा कर चुके अन्य सेवानिवृत्त अधिकारी भी शामिल हैं। भारतीय प्रतिष्ठानों को 8 और 9 मई की मध्य रात्रि को निशाना बनाने के पाकिस्तानी प्रयासों का सशस्त्र बलों द्वारा आनुपातिक और पर्याप्त रूप से जवाब दिए जाने के साथ ही पाकिस्तान के साथ संघर्ष तीव्र हो गया। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि पाकिस्तान ने सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए लेह से सर क्रीक तक 36 स्थानों पर 300-400 ड्रोन भेजे और भारतीय सेना ने इन ड्रोन को मार गिराया।

युद्ध के समय खबरों में विश्वसनीयता हो

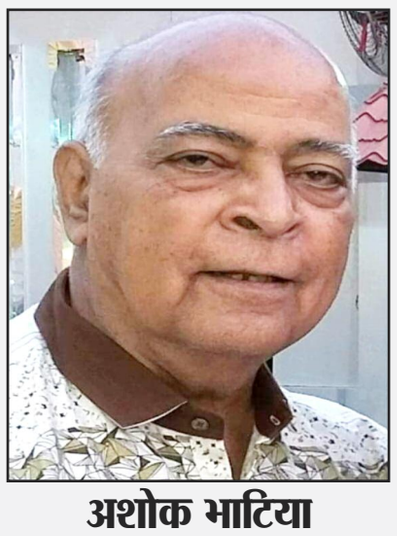

अशोक भाटिया

ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद से, हमारे सशस्त्र बलों और सरकार ने प्राकृतिक भय से पीड़ित लोगों को आश्वस्त भी किया है। यह दृढ़ संकल्प और धैर्य दिखाता है। भले ही हमारे कई इलेक्ट्रॉनिक समाचार चैनल धैर्य का प्रयोग करें, लेकिन देश भर में ध्वनि प्रदूषण और अज्ञानता प्रदूषण बहुत कम होने की संभावना है। यह कार्रवाई जितनी हमारे सशस्त्र बलों की तत्परता और सरकार के दृढ़ संकल्प को दशार्ती है, उतनी ही यह ऐसी गतिविधियों की रिपोर्टिंग में हमारे खुलेपन और अपर्याप्तता को भी उजागर करती है, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक समाचार चैनलों की। हमारे पास प्रचार के लिए आवश्यक सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की कमी कभी नहीं थी, और दर्शकों को जो जानकारी दी जा रही है, उसे देखते हुए, यह तय करना मुश्किल है कि उनकी कल्पना की प्रशंसा करें या उनकी मानसिक और नैतिक गिरावट पर शोक मनाएं।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत 6 मई की आधी रात के बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की गई बहादुर कार्रवाई के नतीजे अभी भी महसूस किए जा रहे हैं। इस-ाकी कार्रवाई की प्रकृति सीमित, संयमित लेकिन प्रभावी है। यह जलन और जलन पिछले 36 घंटों से पाकिस्तान की कार्रवाइयों में परिलक्षित होती है। इन सभी हमलों को ड्रोन और हल्की मिसाइलों द्वारा सफलतापूर्वक रद्द कर दिया गया था। वहाँ हैं। इसके लिए सरकार और सशस्त्र बलों को बधाई। पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर सीमा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और तोपों से गोलीबारी शुरू कर दी। ड्रोन हमले सीमावर्ती राज्यों जम्मू, पंजाब और राजस्थान में किए गए। रात के अंधेरे में हवा में इन ड्रोनों को नष्ट करने में, सशस्त्र बलों और विशेष रूप से वायु सेना ने हथियारों का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, सिर पर ड्रोन का घर, हवाई हमलों की चेतावनी देने वाली भोंग, रोशनी सभी जगह थी। जब से ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ है, हमारे सशस्त्र बलों और सरकार ने भी धुंध के अंधेरे के माहौल में सीमावर्ती शहरों में प्राकृतिक भय से पीड़ित लोगों को आश्वासन दिया है। ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद से, हमारे सशस्त्र बलों और सरकार ने प्राकृतिक भय से पीड़ित लोगों को आश्वस्त भी किया है। यह दृढ़ संकल्प और धैर्य दिखाता है। भले ही हमारे कई इलेक्ट्रॉनिक समाचार चैनल धैर्य का प्रयोग करें, लेकिन देश भर में ध्वनि प्रदूषण और अज्ञानता प्रदूषण बहुत कम होने की संभावना है। यह कार्रवाई जितनी हमारे सशस्त्र बलों की तत्परता और सरकार के दृढ़ संकल्प को दशार्ती है, उतनी ही यह ऐसी गतिविधियों की रिपोर्टिंग में हमारे खुलेपन और अपर्याप्तता को भी उजागर करती है, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक समाचार चैनलों की। हमारे पास प्रचार के लिए आवश्यक सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की कमी कभी नहीं थी, और दर्शकों को जो जानकारी दी जा रही है, उसे देखते हुए, यह तय करना मुश्किल है कि उनकी कल्पना की प्रशंसा करें या उनकी मानसिक और नैतिक गिरावट पर शोक मनाएं। रात के अंधेरे में, भारतीय वायु सेना और सेना ने संयुक्त रूप से पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों, हवेली और उनके नेताओं के मुख्यालयों का दौरा किया। उ हम मानते हैं। फिर भी पाकिस्तान ने भारत पर कई ड्रोन हमले करने की गलती की और अब यह वास्तव में उनके लिए महंगा है। क्योंकि भारत ने सफलतापूर्वक उनके हमलों को दोहराया; लेकिन दूसरी ओर, भारतीय ड्रोन और हमलों को रोकने के लिए पाकिस्तान के पास समान कुशल रक्षा प्रणाली नहीं है। यानी भारत जब भी संभव हो हमलों और हमलों को रोक सकता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इससे बहुत आगे निकल गया, उनमें से कुछ ने 'भारतीय

नौसेना द्वारा कराची के विनाश' पर रिपोर्टिंग की। कुछ लोगों का दृढ़ विश्वास था कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर तुर्की भाग गए थे। सेना, वायु सेना और नौसेना ने पाकिस्तान को नष्ट कर दिया। उनमें से एक चिल्लाया, बलूच विद्रोही बलूचिस्तान से पाकिस्तान पर भाग गए। अलग-अलग स्थानों और अलग-अलग समय पर शूट किए गए दृश्यों को पाकिस्तान में एकत्र किया गया और दिखाया गया। रात में मीडिया में शोर चल रहा था, 8 मई की आधी रात, फिर 9 मई को पूरा दिन। बुखार इस हद तक बढ़ गया कि रक्षा मंत्रालय को आखिरकार नोटिस जारी करना पड़ा। "जिम्मेदारी से रिपोर्ट करें। किसी भी परिस्थिति में सशस्त्र बलों की कार्य योजनाओं या आंदोलनों को इस तरह से नहीं दिखाया जाना चाहिए जो दुश्मन को दिखाई दे। सरकार को अपने देश में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से अपील करनी होगी कि वह याद करे कि कारगिल युद्ध और मुंबई आतंकी हमले के दौरान ऐसी भावना का पालन नहीं किया गया था। आपातकाल की स्थिति में भी सरकार को इस गैरजिम्मेदारी पर ध्यान देना पड़ता है, जो समाचार चैनलों की शिथिलता और अक्षमता के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है। सूचना उसी संयम के साथ दी जा रही है जिसके साथ सरकार ने कार्रवाई की योजना बनाई है। इसे जारी करने में कुछ समय लगता है। सब कुछ खुलासा नहीं किया जा सकता है फिर भी बारीकियां गोपनीय रहती हैं। कोई भी कुशल सैन्य और जिम्मेदार सरकार युद्ध के कगार पर नहीं है। हमें सीमा पार देखना होगा कि अगर हम ऐसा करते हैं तो क्या होता है। रक्षा मंत्री सार्वजनिक रूप से विदेशी मीडिया के संपर्क में हैं। वही रक्षा मंत्री संसद में हास्यास्पद खुलासे करता है। यह दोनों सरकारों की परिपक्वता में अंतर को दशार्ता है। क्या यह कहा जा सकता है कि यह दोनों देशों के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में है? ये कदम दर्शकों को आकर्षित करने के एकमात्र उद्देश्य के साथ और 'टीआरपी' नामक एक अवैज्ञानिक उपाय के प्रभाव में किए जा रहे हैं, लेकिन यह स्वार्थ देश में बड़ी संख्या में लोगों को कैसे प्रभावित कर रहा है, यह कई लोगों के सोशल मीडिया संदेशों में परिलक्षित होता है। यह नकली सूचना या नकली समाचार का एक आपराधिक आविष्कार है। आज, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उन्हें इस बात का भी अंदाजा नहीं है कि राजस्थान की आम जनता किस दबाव में है। मुझे परवाह नहीं है कि सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग तोपखाने की आग से कैसे बच रहे हैं, बच रहे हैं या सहन कर रहे हैं। यह उनकी समझ से परे है कि हमारे सशस्त्र बल सबसे जटिल ऑपरेशन करने के लिए अत्यधिक एकाग्रता और दृढ़ संकल्प दिखा रहे हैं। हमारी सरकार एक पुराने और हत्यारे दुश्मन से लड़ रही है। इस युद्ध का दायरा बढ़ सकता है। ऐसे समय में, सरकार को सहकारी नागरिकों और जिम्मेदार मीडिया के समर्थन की आवश्यकता है। प्रिंट मीडिया ने उस जागरूकता को ज्यादातर दिखाया है, लेकिन जिम्मेदारी और चेतना शब्द उनके शब्दकोश से गायब हो गए हैं। उन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने उस तरह की तात्कालिकता नहीं दिखाई है। कहा जाता है कि युद्ध में पहली दुर्घटना सच्ची जानकारी होती है। यह दुनिया भर के सभी युद्धों के इतिहास में कमोबेश देखी जाती है। सच्ची जानकारी प्राप्त करना मुश्किल है, झूठी सूचनाओं की बाढ़ आदि। या द्वितीय विश्व युद्ध में नाजियों और सहयोगियों द्वारा व्यापक प्रचार; इसमें दिखाया गया है कि कैसे सूचना को युद्ध में हथियार के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। समकालीन युद्धों में यह और भी अधिक स्पष्ट है, क्योंकि ये युद्ध न केवल युद्ध के मैदान पर खेले जाते हैं, बल्कि जनमत के युद्ध के मैदान पर भी खेले जाते हैं। सभी स्तरों पर, युद्ध की पृष्ठभूमि, युद्ध का समर्थन और युद्ध के बाद स्थापित होने वाली कथा, शासकों को जनमत पर भरोसा करना पड़ता है, जैसे युद्ध की कहानियों के साथ-साथ युद्ध के सही तथ्यों को भी बताया जाना चाहिए। मीडिया और भार से भरे आज के समय में, कार्य चुनौतीपूर्ण है। 1960 के दशक में, संयुक्त राज्य अमेरिका न केवल वियतनाम के युद्ध के मैदान पर, बल्कि अमेरिकी मीडिया में उत्पादित सूचना और कथा पर युद्ध में भी हार गया, इससे सीखते हुए, 1990 के दशक के पहले खाड़ी युद्ध में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने केवल समाचार मीडिया भागीदारों का एक समूह बनाया। एम्बेडेड पत्रकारिता, या "आश्रित पत्र-ाकारिता", युद्ध पत्रकारिता का एक नया रूप था। सूचना का खराब उपयोग युद्ध या किसी भी सशस्त्र संघर्ष में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। ताजा भारत-पाकिस्तान संघर्ष में भी यह साफ है कि सूचना युद्ध लड़ना कितना मुश्किल और चुनौतीपूर्ण है। पाकिस्तान को दुनिया कभी भी एक विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में नहीं जानती थी।

पहलगाम पर आतंकवादी हमले के बाद भारत की बहुत ही सटीक, संयमित और मर्मज्ञ कार्रवाई के बाद, पाकिस्तान का झूठ एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया।

भारत की कार्रवाई की सफलता, भारतीय सेना द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सबूतों के साथ दी गई स्पष्ट, सटीक जानकारी, वास्तविक युद्धक्षेत्र हमले में खुद को कायम नहीं रख पाई। उन्होंने वीडियो और तस्वीरों का उपयोग करके पोस्ट बनाए, जिनका नवीनतम संघर्षों से कोई लेना-देना नहीं था, उन्हें विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से प्रसारित किया गया और मंत्रियों और अधिकारियों को उनका उपयोग करने, उन सभी का मुकाबला करने, अपने झूठ और इस तरह के पोस्ट दिखाने के लिए कहकर उन पर कुछ वैधता की मुहर लगाने की कोशिश की। भारत को अपने उपयोगकताओं को भारतीय डिजिटल स्पेस से हटाने के लिए एक और नया अभियान शुरू करना पड़ा।

और ऐसा नहीं है कि वह वहां रुकने वाली है। ऑपरेशन तब तक जारी रहेगा जब तक 'ऑपरेशन सिंदूर' जारी रहेगा और शायद उसके बाद भी।

संपादकीय

भारत का करारा जवाब

अमृता आर. पंडित

जैसी उम्मीद थी भारत ने पहलगाम हमले का करारा जवाब पाकिस्तान की सरकार, सेना और वहां पल-बढ़ रहे आतंकवादियों को दिया। मंगलवार देर रात सेना के लड़ाकू विमानों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के नौ ठिकानों को जमींदोज कर दिया। इनमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-एतैयबा के प्रशिक्षण शिविर और मुख्यालय शामिल हैं। खुद पाकिस्तानी सेना ने भारत के इस रणनीतिक हमले को स्वीकारते हुए कहा कि इन हमलों में कम-से-कम 31 लोग मारे गए और 57 अन्य जख्मी हैं। दरअसल, कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 पर्यटकों की कायरतापूर्वक हत्या किए जाने के बाद से ही देश में उबाल है। सरकार पर इस बात का भारी जन दबाव था कि वह पाकिस्तान को कभी न भूलने वाला सबक सिखाए। उस घटना के बाद से ही यह कयास लगाए जाने लगे थे कि भारत पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करेगा। अच्छी बात यह है कि भारत ने पाकिस्तान के किसी रिहायशी इलाकों में बम नहीं गिराए। बेहद सटीक और गुप्त खुफिया जानकारी के आधार पर सेना ने उन अड्डों को चुना जहां आतंकवादी न केवल ट्रेनिंग लेते हैं बल्कि उनके परिवार के लोग भी शरण पाए हुए थे। स्वाभाविक है, कई दिनों की बैठकों के बाद केंद्र सरकार और सेना के आला अधिकारियों के दिलोदिमाग में था कि इस बार चुन-चुनकर आतंकवादियों को जहन्नुम पहुंचाया जाए। सरकार की हरी झंडी मिलते ही सेना अपने काम में जुट गई। हालांकि अभी भी दोनों देशों के बीच भारी तनाव की स्थिति है। पाकिस्तान इतने पर भी यह समझ पाने में असमर्थ है कि आतंकवाद को प्रश्रय देने या उसका इस्तेमाल पड़ोसी मुल्क में करने के नुकसान भयावह हैं, मगर वह इसे मानने को राजी नहीं है। कई सारे देशों ने भारत की कार्रवाई पर संयमित टिप्पणी की है और तनाव को कम करने का सुझाव भी दिया है, मगर लाख टके का सवाल यह है कि पाकिस्तान को समझाने-बुझाने की बजाय तनाव को और ज्यादा बढ़ाने से केवल पाकिस्तान का ही नुकसान होगा। किसी के इशारों या उसकी गोद में खेलने की बजाय पाकिस्तान के हुक्मरानों को आतंकवाद का खेल अब जमीन में गाड़. देना चाहिए। वहां की अवाम को भी अपनी सरकार से अमन और सौहार्द से रहने का दबाव बनाना चाहिए।

चिंतन-मनन

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना। उसने कहा, बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं। साधक से कहा, अच्छा आओ, भोजन करें।

दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया? हां, कर लिया। क्या खाया? रोटी, शाक, चावल और मिठाई। केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की?

भोजन करतेकरते अनेक स्मृतियां सामने आ गई। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया? भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, तन्मना भुजीत- भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है।

डुयल पर्सनेलिटी खतरनाक होती है। जहां खंडित व्यक्तित्व होता है, वहां कोई सम्बन्ध स्थापित नहीं हो स-

भारत ने आर्थिक प्रगति के बल पर आतंकवादी ठिकानों को किया नेस्तनाबूद

भारत ने अंततः पाकिस्तान के कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर ही दिया। भारत के इस कठोर कदम से भारतीय नागरिकों को संतुष्टि मिली है, विशेष रूप से उन परिवारों को जिन्होंने हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में अपने सगे सम्बन्धियों को खोया है। विश्व के लगभग समस्त देशों ने भारत के इस कदम का समर्थन ही किया है क्योंकि आतंकवादियों से अपने देश के नागरिकों की रक्षा करना किसी भी देश की सरकार का प्रथम कर्तव्य है। भारत को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमले करने का साहस कहां से मिलता है। यह मिलता है भारतीय नागरिकों की एकजुटता से, वर्तमान केंद्र सरकार पर देश के नागरिकों का भरपूर विश्वास है एवं वह यह सोचती है सही समय पर एवं सही स्थान पर भारतीय सेना आतंकवादियों पर हमला करके अपने नागरिकों के मारे जाने का बदला जरूर लेगी। दूसरे, संभवतः भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति से भी केंद्र सरकार को कठोर निर्णय लेने का बल मिलता है। इस संदर्भ में, हाल ही में अच्छी खबर यह आई है कि भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चोथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं संभवतः वर्ष 2026 के अंत तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था आज भी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। विश्व के लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भारत के संदर्भ में यह भविष्यवाणी करते हुए दिखाई दे रहे है कि आगे आने वाले कई दशकों तक भारत इसी प्रकार विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। भारत ने पिछले 10/11 वर्षों के दौरान वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रमों को लागू किया है। जिसका परिणाम स्पष्ट रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। माह अप्रेल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण नित नई ऊंचाईयां छूते हुए 2.37 लाख करोड़ रुपए के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। यह सब देश के नागरिकों द्वारा अप्रत्यक्ष करों के नियमों का अनुपालन करने के चलते सम्भव हो पा रहा है। अप्रेल 2025 माह में ही फैक्ट्री उत्पादन के मामले में पिछले 10 माह के उच्चत्तम स्तर को पार किया गया है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में तेजी से बढ़ती जा रही है और यह अपने पिहले 7 माह के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है। और तो और, सरकारी उपक्रमों एवं निजी कम्पनियों की लाभप्रदता में भी भारी सुधार देखने में आ रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक ने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसी प्रकार, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 69,621 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक ने 64,062 करोड़ रुपए, ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज लिमिटेड ने 45,908 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक ने 44,256 करोड़ रुपए, इंडियन आइल कॉर्पोरेशन ने 41,729 करोड़ रुपए, लाइफ इन्शुरन्स कॉर्पोरेशन ने 40,915 करोड़ रुपए, कोल इंडिया लिमिटेड ने 37,402 करोड़ रुपए एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड ने 31,399 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। आपको ध्यान में होगा कि आज से कुछ वर्ष पर तक केंद्र सरकार को कई सरकारी उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए लाखों करोड़ रुपए की सहायता केंद्रीय बजट के माध्यम से इन सरकारी उपक्रमों की करनी होती थी। आज स्थित एकदम बदल गई है एवं आज ये लगभग समस्त उपक्रम केंद्र सरकार के लिए कमाऊ पूत की भूमिका निभाते हुए नजर आ रहे हैं एवं करोड़ों रुपए का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध करा रहे हैं। यह सब केंद्र सरकार द्वारा इन उपक्रमों में सुधार कार्यक्रमों को लागू करने के चलते ही सम्भव हो सका है। वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत भयावह स्थिति में पहुंच गया था तथा उस समय भारत के पास केवल 15 दिवस के आयात के बराबर ही विदेशी मुद्रा भंडार बच गया था और भारत को अपने स्वर्ण भंडार को ब्रिटेन के बैंकों में गिरवी रखकर विदेशी मुद्रा भंडार की व्यवस्था करनी पड़ी थी। आज स्थिति इस ठीक विपरीत है आज भारत के पास लगभग एक वर्ष के आयात के बराबर की राशि का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है और यह 68,813 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर निकल गया है जो भारत के इतिहास में आज तक के उच्चत्तम स्तर के बहुत करीब है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत से विभिन्न उत्पादों एवं सेवा क्षेत्र के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर 82,490 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। जिसके चलते भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में अतुलनीय सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत से विभिन्न देशों को निर्यात में अभी और सुधार होता हुआ दिखाई देगा क्योंकि भारत ने हाल ही में ब्रिटेन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है इससे भारत के सेवा क्षेत्र को अत्यधिक प्रोत्साहन मिलने जा रहा है और ब्रिटेन में भारतीय इंजिनीयर एवं डाक्टर के साथ ही अन्य क्षेत्रों में कार्य करने के लिए भारतीयों की मांग में वृद्धि दृष्टिगोचर होगी। अमेरिका के साथ भी भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है और यूरोपीयन यूनियन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता दिसम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इसके बाद भारत से विकसित देशों को निर्यात निश्चित रूप से बढ़ेंगे और इसके चलते बहुत सम्भव है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर अर्थात एक लाख करोड़ अमेरिको डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएं। यदि ऐसा होता है तो भारत में विदेशी मुद्रा भंडार भी एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकते हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी कम होती हुई अर्थात लगभग 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर होती हुई दिखाई दे रही हैं जबकि भारत अपने उपयोग का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल का आयात विभिन्न देशों से करता है। साथ ही, भारत को स्वर्ण के आयात को भी नियंत्रण में रखना होगा। इससे, भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में और अधिक मजबूत होगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई कमी और वर्ष 2025 के खरीफ मौसम के दौरान मौसम विभाग द्वारा की गई सामान्य से अधिक मानसून की भविष्यवाणी के कारण खुदरा कृषि क्षेत्र में मुद्रा स्फीति (महंगाई) की दर मार्च 2025 माह में कम होकर 3.73 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है। वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी आगे निकल गया है। इससे भारतीय नागरिकों की आय भी लगभग दुगनी हो गई है एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी भारी कमी दर्ज हुई है। इससे देश के नागरिकों में उत्साह का माहौल जागा है तथा वे एकजुट होकर केंद्र सरकार के आतंकवाद के विरुद्ध लिए जा रहे निर्णयों का भारी समर्थन करते हुए दिखाई दे रहे है। इससे यह सिद्ध हो रहा है कि भारत की आर्थिक क्षेत्र में मजबूती के चलते केंद्र सरकार को भी आतंकवाद के विरुद्ध कड़े निर्णय लेने में कोई हिचक नहीं हो रही है। साथ ही, भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति के चलते विश्व के अन्य कई देश भी आतंकवाद की लड़ाई में भारत के साथ खड़े नजर आ रहे है। आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक स्थित जितनी अधिक सुदृद्ध होती जाएगी, वैश्विक पटल पर भारत के लिए अन्य देशों का समर्थन और अधिक मजबूत होता जाएगा। और फिर, उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी एवं भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का अधिकार भी तो है। भारत की आर्थिक स्थिति जितनी अधिक मजबूत होगी, केंद्र सरकार के सुरक्षा सम्बंधी निर्णय भी उतने ही मजबूत रहेंगे।

प्रहलाद सबनानी

"संघर्ष के समय संयम की परीक्षा"

राजेश श्रीवास्तव

जब कोई देश युद्ध की स्थिति में होता है, तो वह सिर्फ सीमा पर नहीं लड़ा जाता, बल्कि हर घर, हर दिल और हर सोच उसकी गूंज महसूस करती है। यह वह घड़ी होती है जब राष्ट्र की असली परिपक्वता सामने आती है—सेना के पराक्रम के साथ-साथ नागरिकों, मीडिया और सोशल मीडिया की जिम्मेदारी में भी। दुर्भाग्यवश, भारत-पाकिस्तान जैसे देशों के बीच तनाव के समय हम देखते हैं कि युद्ध की गंभीरता को भी एक तमाशे की तरह प्रस्तुत किया जाने लगता है। सोशल मीडिया पर जोश में होश खो दिया जाता है, और मुख्यधारा का मीडिया टीआरपी की होड़ में भय, घृणा और उत्तेजना परोसने लगता है।युद्ध कोई उत्सव नहीं होता। वह एक राक्षसी पीड़ा है—जिसमें माँओं की कोखें सूनी हो जाती हैं, बच्चों के हाथों से किताबें छूट जाती हैं, और घर खंडहरों में बदल जाते हैं। युद्ध का महिमामंडन करना, उसे नारेबाजी या वीडियो गेम जैसा अनुभव बना देना, संवेदना की हत्या है।कारगिल युद्ध के दौरान भी यही देखा गया था। मीडिया ने जहाँ कुछ जगहों पर शहीदों की शौर्यगाथा संवेदनशीलता से दिखाई, वहीं कई चैनलों ने युद्ध को एक 'एक्शन ड्रामा' में बदल दिया। बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद तो कई मीडिया हाउसेज ने आंकड़ों और दावे इस तरह से प्रसारित किए मानो वे युद्ध नहीं, कोई क्रिकेट मैच कवर कर रहे हों।गलवान घाटी में भारत-चीन संघर्ष के समय

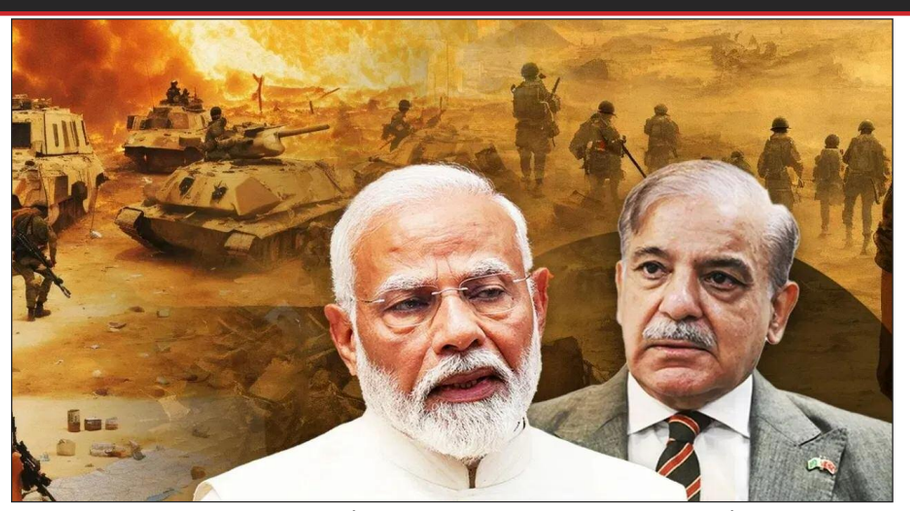

एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें चीनी सैनिकों को घुटनों के बल माफी मांगते दिखाया गया। बाद में पता चला वह वीडियो म्यांमार का था। लेकिन तब तक वह लाखों तक पहुंच चुका था। उस एक झूठ ने जनता के भीतर आक्रोश पैदा किया, जो आगे चलकर अव्यवस्थित मांगों और गलत दबावों में बदल गया।सोशल मीडिया पर ऐसी ही घटनाएं बार-बार सामने आई हैं। पुलवामा हमले के बाद हजारों फर्जी वीडियो, पुराने फुटेज और फोटो "लाइव फ्रॉम बॉर्डर" कहकर शेयर किए गए। कई लोग अंजाने में इन्हें सच मान बैठे। कुछ ने जान-बूझकर नफरत फैलाने के लिए इन्हें साझा किया।सोशल मीडिया अब केवल मनोरंजन या संवाद का मंच नहीं रहा, वह एक डिजिटल युद्धभूमि बन चुका है। यहाँ एक झूठी पोस्ट भी हजारों दिलों में जहर घोल सकती है। जब नागरिक बिना जांचे तथ्यों को साझा करते हैं, तब वे अनजाने में देश की एकता और सामाजिक शांति को चोट पहुँचा रहे होते हैं।मीडिया का भी यही दायित्व है कि वह राष्ट्र के घावों को टीआरपी की स्याही से नहीं, विवेक और संयम से कवर करे। टी.वी. स्टूडियो युद्ध के मंच नहीं होते, जहाँ सेना की रणनीतियाँ बहसों में बिखेरी जाएं। पत्र-ाकारिता का पहला धर्म इस समय होता है—स्थिति को बिगड़ने से बचाना, जनता को संतुलित जानकारी देना।नागरिकों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। हर सोशल मीडिया यूजर आज डिजिटल सिपाही है। लेकिन उसकी लड़ाई तलवार से नहीं, विवेक और सत्य से है। जब हम किसी वीडियो को शेयर करते हैं, किसी भड़काऊ टिप्पणी को लाइक करते हैं, तो हम केवल एक बटन नहीं दबा रहे—हम एक संदेश भेज रहे हैं, जो या तो देश को जोड़ता है या तोड़ता है।सच्चा देशभक्त वही है जो संकट के समय संयम रखता है। सेना की रणनीति पर खुले मंचों पर बहस नहीं करता। दुश्मन देश के नागरिकों को गालियाँ नहीं देता, क्योंकि वह जानता है कि दुश्मनी सरकारों से होती है, आम नागरिकों से नहीं।जब-जब हमने सोशल मीडिया और मीडिया के स्तर पर विवेक खोया है, तब-तब देश को सामाजिक रूप से नुकसान उठाना पड़ा है। धार्मिक तनाव बढ़ा है, सामूहिक दंड जैसी घटनाएं हुई हैं, और राष्ट्र की छवि विश्वपटल पर कमजोर हुई है।अब वक्त है कि हम सीखें, समझें और चेतें। युद्ध अगर जरूरी हो भी, तो उसे तटस्थता से देखें, जानकारी को सेना और सरकार के आधिकारिक स्रोतों से ही लें। झूठ को आगे बढ़ाना देशहित नहीं, देशद्रोह की सीमा तक जा सकता है।हमारे शब्द, हमारी पोस्ट, हमारी प्रतिक्रियाएं—या तो शांति के बीज बो सकती हैं, या हिंसा की आग भड़का सकती हैं। चुनाव हमारा है। इस समय हमें सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं, जिम्मेदारी निभानी है। युद्ध केवल बंदूक से नहीं लड़ा जाता, वह कलम, कैमरा और कीबोर्ड से भी लड़ा और जीता जाता है।

"सच्ची देशभक्ति सिर्फ सीमा पर नहीं,भीतर संवेदना और विवेक की रक्षा में होती है।इसलिए, जब भी देश संघर्ष के दौर से गुजर रहा हो, तो हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम केवल वही जानकारी साझा करें और उस पर विश्वास करें, जो भारतीय सेना, भारत सरकार या उनके अधिकृत प्रवक्ताओं द्वारा दी गई हो। अपुष्ट खबरों, भावनात्मक उत्तेजना और फर्जी वीडियो की भीड़ में विवेक और संयम से काम लेना ही आज की सबसे बड़ी देशसेवा है। सूचना का स्रोत जितना प्रामाणिक होगा, हमारी प्रतिक्रिया उतनी ही संतुलित और राष्ट्रहितकारी होगी।

जुमे की नमाज के बाद लगे 'पाकिस्तान मुदार्बाद' के नारे, नमाजियों ने जलाया पाक पीएम का पुतला

पूर्वी दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच आज पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद में जुमे की नमा के बाद नमाजियों ने पाकिस्तान के पीएम का पुतला जलाया। यही नहीं नमाजियों ने पाकिस्तान की हरकत को शर्मनाक और कायराना बताते हुए पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे भी लगाए। इसके साथ ही हिंदुस्तान जिंदाबाद के भी नारे लगे। पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने तबाह होने पर मुस्लिमों ने मनाई खुशी पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने तबाह होने पर यमुनापार के मुस्लिमों ने गुरुवार को भी खुशी मनाई थी। मिठाइयां बांटी गई। वेलकम में तिरंगा यात्रा निकालने के साथ ही पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए गए। भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया गया। स्पष्ट रूप से कहा गया कि मुस्लिम देश की सेना के साथ खड़े हैं। खून की भी जरूरत पड़ी तो दिया जाएगा। वेलकम में सब्जी मंडी क्षेत्र में आपरेशन सिंदूर सफल

पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद में जुमे की नमाज के बाद नमाजियों ने पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पुतला जलाया और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए।

रहने की खुशी में तिरंगा यात्रा निकाली गई। लोगों से कहा पाकिस्तान ने ही पहलगाम में आतंकी हमला करवाया था। बेगुनाह लोगों की हत्याएं की गई। रोहतास नगर के विधायक भी हुए शामिल इस रैली में रोहतास नगर के विधायक जितेंद्र महाजन व डिप्टी चेयरमैन रितेश सूजी ने भी हिस्सा लिया। यात्रा निकालने वाले वसीम अली वारसी ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकी पाले जाते हैं। उन्हीं आतंकियों ने पहलगाम में हमला किया। भारतीय सेना ने शौर्य दिखाते हुए कुछ ही मिनटों में पाकिस्तान में जाकर उसके आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए। उन्होंने कहा भारत के मुस्लिमों का पाकिस्तान से कोई लेनादेना नहीं है। कमर अली ने कहा कि पाकिस्तान को भारतीय सेना अच्छा सबक सिखाया है। क्या बोले विधायक जितेंद्र महाजन विधायक जितेंद्र महाजन ने कहा कि पहलगाम में हुए हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कह दिया था बदला ऐसा लिया जाएगा पाकिस्तान कभी भूलेगा नहीं।

पाकिस्तान को उसके घर में घुसकर उसके आतंकी ठिकाने नष्ट भारतीय सेना कर रही है। इस मौके पर हाशिम खान,राहत अली वारसी, अमान वारसी, जुबेर अंसारी, फुरकान, शाहरुक, शफत खान,नूर मोहम्मद,आदिल,वसीम मलिक मौजूद रहे। मौजपुर गांव में भी स्थानीय लोगों ने जश्न मनाया। स्थानीय निवासी पिंकी मंडार ने कहा कि देश की हर एक महिला भारतीय सेना व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ी है। पाकिस्तान से पूरी तरह से आतंकवाद को खत्म करना है।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी, डीडीसीए को आया ई-मेल

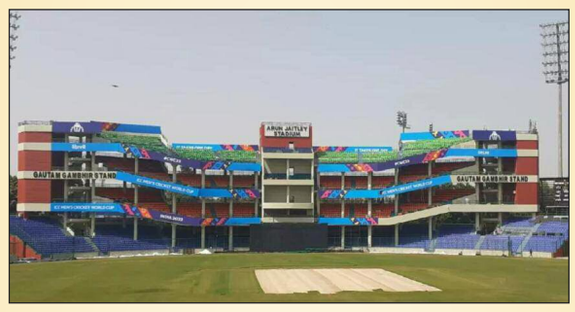

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। डीडीसीए की ऑफिशियल ई-मेल पर यह धमकी भरा मेल आया है। बता दें यह जानकारी खुद डीडीसीए सुबह साढ़े ग्यारह बजे मिला धमकी भरा मेल। मेल में लिखा था भारत ने पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमला किया था, हम भी अरुण जेटली स्टेडियम में आपरेशन डीडीसीए के तहत बम से उड़ाएंगे।

आईजीआई एयरपोर्ट पर दोपहर 2 बजे तक 46 उड़ानें रद-61 में देरी, इन दस शहरों में नहीं लगेगा कैंसिल चार्ज

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच आईजीआई एयरपोर्ट पर दोपहर दो बजकर 20 मिनट तक कई उड़ानों में देरी हुई तो कई को रद किया गया। कुल 61 उड़ानों में विलंब कुल 46 उड़ानें हुईं रद अंतरराष्ट्रीय प्रस्थानः 20 आगमनः 09 रद :3 (दो प्रस्थान, एक आगमन) घरेलू प्रस्थान 31 आगमन 1 रद 43 (40 प्रस्थान, तीन आगमन) जिन उड़ानों को रद किया गया है उनमें ज्यादातर श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, लेह, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर, जोधपुर, किशनगढ़ और राजकोट की हैं। इन दस शहरों के लिए नहीं लगेगा कैंसिल चार्ज इंडिगो ने श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, लेह, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर, जोधपुर, किशनगढ़ और राजकोट से आने-जाने वाली उड़ानों के लिए आठ मई तक की गई बुकिंग पर परिवर्तन और रद्दीकरण शुल्क माफ करने की घोषणा की है। यह सुविधा 22 मई तक की यात्रा के लिए लागू होगी। कंपनी ने बयान जारी करते हुए कहा कि इन 10 शहरों के लिए निर्धारित अवधि तक की बुकिंग पर यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपनी उड़ान बदल या रद कर सकते हैं।

दिल्ली के आईटीओ में पीडब्ल्यूडी भवन पर हवाई हमले के सायरन का परीक्षण, वालंटियर्स ने की तैयारी

नई दिल्ली। नागरिक सुरक्षा निदेशालय शुक्रवार को आईटीओ में बहुमंजिला पीडब्ल्यूडी भवन की छत पर स्थापित हवाई हमले के सायरन का परीक्षण करेगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, परीक्षण दोपहर 3 बजे शुरू होगा और 15-20 मिनट तक चलेगा। यह परीक्षण भारत और पाकिस्तान के बीच मिसाइल हमलों और गोलीबारी से बढ़े तनाव के बीच हो रहा है, जो पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुआ, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। बयान में कहा गया है कि आम जनता से अनुरोध है कि वे परीक्षण के दौरान शांत रहें और घबराएं नहीं। रणनीति बनाने में जुटे वालंटियर्स तीन बजे निर्धारित मॉक ड्रिल को लेकर सिविल डिफेंस के वालंटियर्स आईटीओ पर रणनीति बनाने में जुट गए हैं। तीन बजे सायरन बजेगा, जिसके बारे में लोगो को जागरूक किया जाएगा कि सायरन बजने पर डरे नहीं, बल्कि सुरक्षित स्थानों पर रहें।

दिल्ली के आईटीओ में 7 मिनट तक बजा सायरन, आपात स्थिति में सुरक्षित रहने के दिए गए मंत्र

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के आईटीओ क्षेत्र में आज (शुक्रवार) दोपहर तीन बजे सायरन बजा। सायरन करीब सात मिनट तक ही बजा। इस दौरान सिविल डिफेंस कार्यकताओं द्वारा बताया गया कि आपात स्थिति में खुद को कैसे सुरक्षित रखें। इसके पहले डीएम ने एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों से अपील की थी कि घबराना नहीं है। यह सिर्फ हवाई हमले से बचाव की लिए टेस्ट किया जा रहा है। बता दें कि आटीओ क्षेत्र में 20 मिनट तक सायरन बजने की बात कही गई थी लेकिन, सात मिनट तक ही सायरन

बजा। इससे पहले लोगों से अपील की गई थी कि सोशल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचार किया जाए ताकि आम जनता को टेस्टिंग के बारे में जानकारी हो सके। वहीं, लोगों से यह भी अपील की गई थी कि घबराने नहीं बल्कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसके बारे में जानकारी दी जाए। रुक-रुककर और लंबा सायरन बजने में क्या है अंतर? जिला प्रशासन के लोग जगह-जगह घूमकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि दोपहर तीन बजे आईटीओ इलाके में सायरन बजेगा, जो मॉकड्रिल है तो परेशान नहीं होना है।

इसमें ये भी बताया गया कि रुक-रुककर सायरन बजे तो इसका मतलब खतरे से होता है और अगर सायरन लंबा बजे तो इसका मतलब है खतरा टल गया है। सिविल डिफेंस के वालंटियर्स तीन बजे निर्धारित मॉक ड्रिल को लेकर आईटीओ पर रणनीति बना रहे हैं। उधर, दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। लाल किला पर दिल्ली पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं।

भारत-पाक तनाव के बीच सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टरों की गर्मी की छुट्टी रद, सरकार ने शुरू की आपातकालीन तैयारियां

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के मद्देनजर दिल्ली में आपातकालीन तैयारियों को मजबूत करने के लिए बड़े कदम उठाए गए हैं। दिल्ली के प्रमुख सफदरजंग अस्पताल ने डॉक्टरों और शिक्षण संकाय की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। सफदरजंग अस्पताल का आदेश सफदरजंग अस्पताल की प्रिंसिपल गीतिका खन्ना ने एक आधिकारिक आदेश जारी करते हुए कहा, "वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति और उससे उत्पन्न होने वाली आकस्मिक संस्थागत आवश्यकताओं को देखते हुए, शिक्षण संकाय के लिए सभी ग्रीष्मकालीन अवकाश तत्काल प्रभाव से अगली सूचना तक रद कर दिए गए हैं।" आदेश में यह भी

उल्लेख किया गया है कि यह निर्णय इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान किसी भी अप्रत्याशित आवश्यकता के लिए कर्मचारियों की तत्परता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। प्रिंसिपल ने सभी कर्मचारियों से सहयोग और समझ की अपील की है। इसके अतिरिक्त, अस्पताल के आपातकालीन स्टाफ की छुट्टियां भी रद कर दी गई हैं ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा सकें। दूसरी ओर, दिल्ली सरकार ने भी भारत-पाकिस्तान तनाव को देखते हुए सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियों को रद करने का फैसला किया है। दिल्ली सरकार के विशेष सचिव द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया है, "मौजूदा स्थिति और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की तैयारियों को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक दिल्ली सरकार के किसी भी अधिकारी/कर्मचारी को कोई छुट्टी नहीं दी जाएगी।" यह आदेश दिल्ली सरकार के सेवाएं विभाग द्वारा गुरुवार देर शाम जारी किया गया। दिल्ली में सुरक्षा और आपातकालीन तैयारियां तनाव के बीच दिल्ली में हाई अलर्ट जारी किया गया है। मॉल, बाजारों, मेट्रो स्टेशनों और प्रमुख प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इंडिया गेट पर घूमने वालों को क्षेत्र खाली करने के लिए कहा गया और यातायात को नियंत्रित किया गया। जिला मजिस्ट्रेट अपने अधीनस्थों के साथ स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। पुलिस ने रात के गश्त को तेज कर दिया है और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत की नारी शक्ति का कमाल, दिल्ली में सुरक्षा जांच में बढ़ाई गई महिला सिक्योरिटी गार्ड

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक के बीच तनाव और बढ़ गया है। इसी कड़ी में बुधवार को विदेश मंत्रालय और सेना की एक संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग की गई थी, जिसमें भारतीय सेना की ओर से कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायु सेना की ओर से विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी थी। इन महिला अधिकारियों को देख दिल्ली पुलिस में तैनात महिला पुलिसकर्मी भी अपनी भागीदारी बढ़ाने आगे आ रही हैं। शुक्रवार को नई दिल्ली जिले में चल रही पिकेट चेकिंग में महिला पुलिसकर्मी तैनात दिखाई दीं, जिन्होंने न सिर्फ सुरक्षा-व्यवस्था में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई बल्कि देश में महिलाओं की भागीदारी की मिसाल भी कायम की। पिकेट चेकिंग में महिला पुलिसकर्मी तैनात रहीं पुलिस के मुताबिक, बृहस्पतिवार को नई दिल्ली जिले के भीड़भाड़ वाले बाजारों सहित प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। खासकर दिल्ली के दिल कहे जाने वाले कनाट प्लेस में सुरक्षा मजबूत दिखी और यहां पिकेट चेकिंग में महिला पुलिसकर्मी तैनात रहीं। कनाट प्लेस पुलिस थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर दिव्या डागर, कॉन्स्टेबल तमन्ना और अन्य महिला पुलिसकर्मियों की टीम ने थानाध्यक्ष सुखबीर सिंह मलिक से पिकेट चेकिंग व नाइट पेट्रोलिंग की सिफारिश की। जिसके बाद उन्होंने मोर्चा संभालते हुए पिकेट चेकिंग की। पटरी लगानेवालों की हुई जांच इस दौरान पालिका बाजार में पटरी लगाने वालों के सामान की जांच व संदिग्धों की जांच की गई। सार्वजनिक स्थानों के अलावा गेस्ट हाउस, होटलों, सेकेंड हैंड कार डीलर की जांच की गई। इसके अलावा उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की तुरंत पुलिस कंट्रोल रूप को सूचना दें।

दिल्ली के फतेह नगर में ज्वैलरी स्टोर में लगी आग, दमकल की 5 गाड़ियां भेजी गई

नई दिल्ली। दिल्ली के फतेह नगर इलाके में शुक्रवार दोपहर एक ज्वैलरी स्टोर में आग लग गई। दिल्ली फायर सर्विस के एक अधिकारी ने बताया कि आग की सूचना दोपहर 12:45 बजे मिली, जिसके बाद तुरंत पांच दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। अधिकारी ने कहा, "आग बुझाने का कार्य अभी जारी है। आग के कारण किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।" आग लगने के कारणों का पता नहीं आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है और दमकल विभाग स्थिति पर काबू पाने के लिए प्रयास कर रहा है। स्थानीय पुलिस और अन्य अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं। जांच के बाद ही आग के कारणों और नुकसान का सटीक आकलन किया जा सकेगा।

क्या है 'ऑपरेशन फेस वॉश', दिल्ली पुलिस ने चलाया विशेष अभियान; तेज हो गई धरपकड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि घुसपैठियों के खिलाफ जांच अभियान के बाद तीन कथित अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को पकड़ा गया है। उनके कब्जे से चार स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनमें प्रतिबंधित आईएमओ ऐप इंस्टॉल था, जिसका प्रयोग वे बांग्लादेश में अपने परिवारों से बातचीत कर रहे थे। जिले में वर्तमान में ऑपरेशन फेस वॉश नामक एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करना है। मई 2025 में, खुफिया जानकारी मिली थी कि अवैध बांग्लादेशी

नागरिक ट्रांसजेंडर के रूप में छिपकर ट्रैफिक सिग्नलों पर भीख मांगने और अन्य गतिविधियों में शामिल हैं ताकि शक से बचा जा सके। पुलिस ने ट्रैप लगाकर तीनों को धर दबोचा कई दिनों तक चली मैनुअल और तकनीकी निगरानी के बाद, गुरुवार को विश्वसनीय सूचना मिली कि ऐसे तीन व्यक्ति आजादपुर नई सब्जी मंडी के पास मौजूद हैं। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सुबह जल्दी जाल बिछाया और तीनों संदिग्धों को पकड़ लिया। उनके कब्जे से चार स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनमें प्रतिबंधित आईएमओ ऐप इंस्टॉल था, जिसका उपयोग बांग्लादेश में अपने परिवारों से संपर्क के लिए किया जा रहा था। पूछताछ के दौरान, उन्होंने खुलासा किया कि वे एजेंटों की मदद से झरझरा सीमाओं के रास्ते अवैध रूप से भारत में घुसे और ट्रेनों के माध्यम से दिल्ली पहुंचे। महिला बनकर पहचान छुपा रहे थे बांग्लादेशी उन्होंने आगे बताया कि वे सभी पुरुष हैं और उन्होंने अपने स्तनों को बढ़ाने के लिए कुछ पैड्स का उपयोग किया ताकि ग्राहकों को लुभाया जा सके। उन्होंने रात में स्त्री जैसी बनावट के साथ ग्राहकों को आकर्षित करने की बात भी स्वीकारी। पुलिस के अनुसार, उन्होंने पहचान छिपाने के लिए अपना लिंग और रूप-रंग बदला था।

भारत-पाक तनाव के बीच दिल्ली पुलिस के कर्मियों की छुट्टियां रद, सरकारी भवनों की बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद शुक्रवार को दिल्ली में महत्वपूर्ण स्थानों, जैसे सरकारी भवनों और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में भारी सुरक्षा तैनात की गई। यह कदम गुरुवार रात पाकिस्तानी सेना द्वारा ड्रोन और मिसाइलों से कई सीमावर्ती क्षेत्रों को निशाना बनाने के बाद उठाया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सरकारी भवनों, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, जल शोधन संयंत्रों, न्यायालयों और विदेशी दूतावासों सहित सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। बाजारों, रेलवे स्टेशनों, मॉल, पार्कों और मेट्रो स्टेशनों जैसे उच्च भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। गुरुवार रात तक छुट्टियां रद इस तनाव के बीच, दिल्ली पुलिस के सभी कर्मियों की छुट्टियां गुरुवार रात तक रद कर दी गईं। एक अधिकारी ने कहा, "रात में गश्त को तेज कर दिया गया है। हर संवेदनशील क्षेत्र में अतिरिक्त बल तैनात किया जाएगा।" पुलिस सूत्रों के अनुसार, सभी जोनों के विशेष आयुक्त अपने उपायुक्तों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए बैठकें कर रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, "सभी डीसीपी अपने क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था की सक्रिय निगरानी कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।" बम निरोधक दस्तों ने कई स्थानों पर आतंकवाद विरोधी जांच की है और राजधानी में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की जांच की जा रही है। ये घटनाक्रम तब सामने आए जब भारत ने गुरुवार रात पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइलों से जम्मू, पठानकोट और उधमपुर सहित सैन्य ठिकानों पर हमले के नए प्रयासों को तुरंत नाकाम कर दिया। इससे पहले, पाकिस्तान ने देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में 15 शहरों के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारत ने विफल कर दिया। पाकिस्तान ने कई जगहों पर ड्रोन से किए हमले रक्षा मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने गुरुवार रात अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज को निशाना बनाने का प्रयास किया। पाकिस्तानी सेना के ये नए प्रयास 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बुधवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए जाने के बाद आए।

मैं वीजा लेकर जाना चाहता हूं... पाक को कुमार विश्वास का करारा जवाब; बलूच पर कही ये बात

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और मशहूर कवि कुमार विश्वास ने एक्स पर एक पोस्ट डाली है। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि एक बेहद आवश्यक संदेश। सुने, समझें और सब तक पहुंचाएं। कुमार विश्वास ने कहा कि कश्मीर खुशहाली के रास्ते पर है। नई व्यवस्था ने ऐसा माहौल पैदा किया कि पिछले साल लगभग दो करोड़ 80 लाख भारतीय अपने प्रेम के दिन बिताने के लिए कश्मीर गए। बताया कि कश्मीरियों ने उनका हृदय खोलकर स्वागत भी किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। मेष कश्यप की राजधानी का भारत में इतना सुंदर संस्कृत विलय और एकाकृत होना नापाक पड़ोसी को पसंद नहीं आया और उसने पहलगाम में वीभत्स कायराना हमला किया। हमले में मासूम बच्चों समेत कई भारतीयों को मारा गया। बताया कि हमला उन मासूमों पर किया जो अपनी शादी के खूबसूरत पल बिताने के लिए गए थे। कुमार विश्वास ने कहा कि जिस समय डलझील में कपल अपने खूबसूरत वक्त को जी रहे थे और उसी दौरान कुछ जाहिलों ने उन मासूमों को गोली मारी। कहा कि कई महिलाओं ने आपनी आंखों के सामने अपने सुहाग को खो दिया। बताया कि हमले के दौरान कायरों ने सिर्फ पुरुषों को चुना। महिलाओं को नहीं मारा और उन्होंने महिलाओं से कहा कि तुम्हें इसलिए छोड़ रहे हैं कि तुम मोदी को बताना जाकर। इसके बाद देश के सभी धर्म, जाति और पक्ष-विपक्ष के नेता सरकार के साथ खड़े नजर आए। साथ ही पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग भी की। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। कुमार विश्वास ने कहा कि अभी सिर्फ हमले की पहली किस्त है। अभी यह जारी रहेगी। बताया कि भारत के हमले में आतंकी अजहर मसूद का परिवार भी मारा गया है। कुमार विश्वास ने कहा कि ईश्वार से प्रार्थना करता हूं कि मैं एक स्वतंत्र बलूच राष्ट्र जल्द देखूं और बलूच भाइयों से वीजा लेकर वहां जाना चाहता

हूं और उन्हें गले लगाना चाहता हूं।

यूपीः मुस्लिमों ने पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए

ऑपरेशन सिंदूर पर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में जश्न, अवधेश प्रसाद बोले- सेना पर गर्व

लखनऊ। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यूपी में आज पहला जुमा है। लखनऊ-वाराणसी, कानपुर समेत कई शहरों में नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए। कहा- हम भारत की सेना के साथ खड़े हैं। पाकिस्तान की इस कायराना हमले का विरोध करते हैं। उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाए। लखनऊ में मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा- मुसलमान भारत के साथ खड़ा है। वहीं, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में छात्रों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर मार्च निकाला। इसी बीच शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने दो महीने के सभी कार्यक्रमों को निरस्त कर दिए हैं। मेरठ में उन्होंने कहा - जरूरत पड़ी तो सेना की मदद करने भी जाऊंगा। हम भारत की विजय के लिए धार्मिक अनुष्ठान भी सम्पन्न कराएंगे। इधर, पाकिस्तान को सिंधु जल संधि के मामले में वर्ल्ड बैंक से झटका लगा है। अध्यक्ष अजय बंगा ने साफ कर दिया कि वर्ल्ड बैंक इस विवाद में हस्तक्षेप नहीं करेगा। उन्होंने कहा- जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने इस संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। पाकिस्तान-भारत के बीच तनाव को देखते हुए यूपी पुलिस हाई अलर्ट पर है। होटलों, स्टेशनों, मंदिरों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। लखनऊ में पुलिस के सभी जवानों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। जो पुलिसकर्मी छुट्टी पर हैं, उन्हें तत्काल ड्यूटी जॉइन करने के आदेश दिए गए हैं। अयोध्या के राम मंदिर, मथुरा के कृष्ण जन्मस्थान और काशी विश्वनाथ मंदिर में सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं। भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। हर आने-जाने वाले की जांच की जा रही है।लखनऊ के KGMU और SGPGI जैसे प्रदेश के बड़े मेडिकल संस्थानों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। मध्य वायु कमान के 7 एयरफोर्स स्टेशनों को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है। नेपाल बॉर्डर पर भी सुरक्षा सख्त कर दी गई है। नेपाल से सटे गांवों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। वहां से आने वाले हर एक व्यक्ति की आईडी चेक की जा रही है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर राष्ट्रवादी जोश और जश्न का माहौल देखने को मिला। विश्वविद्यालय परिसर में 'राष्ट्र प्रथम' के तहत एक भव्य प्रोटेस्ट मार्च निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक, ठउउ कैडेट्स और गैर-शिक्षण कर्मचारी शामिल हुए। मार्च के दौरान देशभक्ति नारों की गूंज सुनाई दी और प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा बलों के साहस और समर्पण की सराहना की। इस मौके पर विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभाग की टक्ष प्रभारी विभा शर्मा ने कहा, पाकिस्तान ने जो हरकत की थी, उसके लिए जवाब देना जरूरी था। ऑपरेशन सिंदूर ने ये कर दिखाया और हम सभी को इस पर गर्व है। एएमयू के प्रॉक्टर वसीम अली ने कहा, हमारे जवानों की इस कार्यवाही ने देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। विश्वविद्यालय समुदाय राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी हाई अलर्ट पर है। काशी विश्वनाथ मंदिर, गंगा घाट, बीएचयू, पीएमओ समेत अन्य प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा निगरानी बढ़ा दी गई है। एयरपोर्ट, कैंट रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड सभी प्रमुख स्थानों पर लगातार पुलिस मार्च कर रही है। हथियारबंद जवान तैनात किए गए हैं। किसी भी समय ब्लैक आउट जैसी परिस्थिति का सामना करना पड़ सकता है, इसके लिए सिविल डिफेंस के साथ पुलिस को दिशा निर्देश जारी किए गए हैं कि आपात स्थिति में पब्लिक के साथ कैसे मिलकर काम करना है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि नगर क्षेत्र में 30 स्थानों पर वॉर्निंग सायरन लगाए गए हैं। सिविल डिफेंस के चेतगंज स्थित मुख्यालय पर भी वॉर्निंग सायरन लगाया गया है। जनता से अपील है कि लोकल पुलिस द्वारा की जा रही अनाउंसमेंट को ध्यान से सुने और दिशा निर्देश का पालन करें। वाराणसी में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्र रूपेश सिंह ने एक सैंड आर्ट मिशन सिंदूर पर तैयार किया है। रूपेश ने इसको 3 घंटे में तैयार किया है।

संक्षिप्त डायरी

यूपी को एक लाख करोड़ डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में विश्व बैंक की अहम भूमिकाः सीएम योगी

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। उत्तर प्रदेश को उन्नत प्रदेश बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने दो प्रमुख कार्यक्रमों की शुरूआत की। शुक्रवार को विश्व बैंक के सहयोग से उत्तर प्रदेश में उप्र-एग्रीस' कार्यक्रम को लागू किया गया। इस कार्यक्रम के जरिए राज्य के पूर्वांचल एवं बुंदेलखंड क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकी पर आधारित खेती को बढ़ावा मिलेगा। फलस्वरूप कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी और 10 लाख किसानों को फायदा होगा। इसी प्रकार, राज्य सरकार की एक और बड़ी परियोजना ह्यएआई प्रज्ञा' भी शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी ने शुरू की। इसके जरिए उत्तर प्रदेश को कृत्रिम मेधा के केंद्र के तौर पर स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस परियोजना के जरिए राज्य में 10 लाख युवाओं को कृत्रिम मेधा के विभिन्न पहलुओं में दक्ष बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा,उत्तर प्रदेश देश की विकास गाथा का पर्याय है। आज सारे विश्व ने मान लिया है कि उत्तर प्रदेश रूकावट नहीं, बल्कि भारत का ह्यग्रोथ इंजन' है। दोनों ही कार्यक्रम प्रदेश के ह्यएक लाख करोड़ डॉलर' की अर्थव्यवस्था बनने का सपना साकार करेंगे। सीएम योगी ने ह्यउप्र-एग्रीस' परियोजना में विश्व बैंक की सहभागिता का आभार जताते हुए कहा कि इस परियोजना के जरिए कृषि उत्पादकता को बढ़ाने में मदद मिलेगी जो किसानों की उन्नति का कारण बनेगा। मुख्यमंत्री आवास पर अजय बंगा संग मुलाकात के बाद दोनों परियोजनाओं की शुरूआत पर योगी ने विश्व बैंक की तारीफ की और सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक हमेशा उत्तर प्रदेश की उन्नति में बड़ा भागीदार बनकर उभरता है। उन्होंने कहा कि चाहे पर्यावरण संरक्षण हो, पर्यटन को बढ़ावा देना हो या फिर अवस्थापना से जुड़ी परियोजनाओं का संचालन हो, विश्व बैंक हमेशा से महती भूमिका निभाता है। ह्यउप्र एग्रीस' परियोजना चार हजार करोड़ रुपए की परियोजना है, जिसमें से 2737 करोड़ रुपए का ऋण विश्व बैंक ने छह वर्षों की अवधि के लिए उपलब्ध कराया है। इस परियोजना से किसानों, कृषक संगठनों, मत्स्य पालकों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़ी एमएसएमई इकाइयों को सीधा लाभ होगा।

पाकिस्तान से तनाव के बीच अखिलेश ने सरकार को दी नसीहत, कहा- आपातकाल में...

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भारत- पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर स-रकार को नसीहत दी है। उन्होनें एक्स पर लम्बा चौड़ा पोस्ट किया है। अखिलेश ने कहा कि आज के युग में जबकि लगभग हर हाथ में मोबाइल है; हर तरह के जमीनी, हवाई वाहनों और जलपोतों तक में जीपीएस लगा है और हर तरह की गतिविधि चाहे वो शासनिक-प्रशासनिक हो; बैंकिंग हो या विविध संवेदनशील सूचनाओं का आदान-प्रदान, सब कुछ तो इंटरनेट पर ही निर्भर कर रहा है, ऐसे में कम्युनिकेशन एक बेहद संवेदनशील मुद्दा बन जाता है। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम का अपराध निरंतर बढ़ रहा है, जिससे बड़ी से बड़ी कंपनियां हैक हो रही हैं और आम आदमी ठगा जा रहा है। ये ठीक है कि टेक्नोलॉजी का विकास वैश्विक होता है और जो तकनीकी के क्षेत्र में सबसे अधिक विकसित होता है उससे तकनीकी ली जाती है लेकिन ऐसी सेवाओं पर देश की सरकार का निर्णायक नियंत्रण हर हाल में संभव होना ही चाहिए, जिससे स-रकार चाहे तो किसी आपातकाल या विपरीत परिस्थितियों या खराब हालातों में ऐसी विदेशी कंपनियों पर तत्काल नियंत्रित कर सके। वैश्विक संबंध चूँकि सिर्फ. अपने हाथ में नहीं होते हैं, इसीलिए इस क्षेत्र में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत पड़ती है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में हम कभी ये नहीं कह सकते हैं कि कोई किसी का स्थायी मित्र है क्योंकि दूसरे देशों में भी राजनीतिक परिस्थितियाँ और आर्थिक नीतियाँ स्थायी नहीं होती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संबंध व्यक्तिगत नहीं होते हैं और अगर किसी काल विशेष में कुछ समय के लिए हो भी जाएं तो भी वो हमेशा स्थायी रहें, इसकी ह्यगारंटीह्न कोई भी नहीं दे सकता है। उन्होंने कहा कि इसलिए ऐसे गंभीर मुद्दों पर कुछ ज्यादा ही एहतियात बरतने की जरूरत होती है। आज के जमाने में क्या कोई ये मानकर चल सकता है या कभी भी ये कहने की स्थिति में हो सकता है कि कोई हमारा ह्यपरमानेंट फ्रेंड है। दूसरे देशों से तकनीकी भले ले ली जाए परंतु आत्मनिर्भरता के प्रयासों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए और न ही इस शर्त को कि इस टेक्नोलॉजी के संचालन या कहें ऑपरेशन्स पर हम जब चाहे युक्तियुक्त नियंत्रण और पाबंदी लगा सकेंगे। ये देश की सिक्योरिटी और सेफ्टी का बेहद सेंसेटिव मुद्दा है, ये बात हमेशा याद रखनी चाहिए। अखिलेश ने कहा कि एक तरफ सरकार अपनी एजेंसियों का दुरुपयोग करके स्थानीय कारोबारियों को परेशान करती है, निवेश करनेवालों से कमीशन माँगती है जिससे देश के उद्योगपति से लेकर स्टार्टअप तक हतोत्साहित होते हैं और दूसरी तरफ विदेशी कंपनियों के लिए ह्यस्वागत द्वारह्न बनाती है। जब तक देश के व्यापारियों के लिए सुरक्षित माहौल नहीं होगा तब तक देश में उत्पादन और रिसर्च एंड डेवलपमेंट का सकारात्मक वातावरण नहीं बनेगा। ऐसे में हम चीन जैसे देशों से आयात करके अपना धन उन्हें देते रहेंगे, निर्यात से ज्यादा आयात करने से जन्मे व्यापार-घाटे से नुकसान उठाते रहेंगे। इसके स्थान पर लक्ष्य ये होना चाहिए कि देश स्वावलंबी बने। अगर हमारे देश की कंपनियां दूसरे देशों की एजेंट बनकर रह गयीं तो ट्रेड भले विकसित हो लेकिन विकास और उत्पादन क्षमता घटती जाएगी। इसका सीधा असर देश की निरंतर बढ़ती बेरोजगारी पर पड़ेगा। सरकार को ये पक्ष कभी नहीं भूलना चाहिए कि विदेशी कंपनियों का टारगेट अपना प्रॉफि ट बढ़ाना होता है, न कि किसी अन्य देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाना। उन्होंने कहा कि कई ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने का सपना हमारे बड़े मकसद के नारे : चलो हम मिलकर ह्यदेशह्न बढाएं; हों अपने उत्पाद, अपनी सेवाएँ को सामने रखकर ही अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने से होगा। तभी हमारा छोटे से लेकर बड़े काम-कारोबार बचेंगे, सबको काम मिलेगा, सबके घर चलेंगे। अपने देश के सांस्कृतिक मूल्य और आदर्श, शांतिपूर्ण नीतियाँ, स्वतंत्रता, समता, स्वावलंबन, एकता, अखंडता, प्रतिरक्षा, बंधुत्व, हर इंसान की गरिमा-प्रतिष्ठा, कल्याणकारी राज्य की अवधारणा, सातत्य विकास पर आधारित अर्थव्यवस्था ही मूलभूत निर्णायक सिद्धांत होने चाहिए और कुछ भी नहीं, कोई भी नहीं।

नव नियुक्त पुलिस कांस्टेबल का हुआ सम्मान

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। हाटा विकास खण्ड के गांव नकहनी निवासी रामनरायण यादव के पुत्र राधे यादव का नियुक्ति पुलिस कांस्टेबल पद पर हुआ। जिसको लेकर क्षेत्रीय लोग खुशी से उनके घर पहुंचे और उनका मुंह मिठा कराकर उनको अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और साथ ही साथ शुभकामनाएं दी। बता दें कि उक्त ग्राम सभा निवासी रामनरायण यादव के पुत्र राधे यादव ने पढ़ाई के साथ साथ पुलिस कांस्टेबल के लिए तैयारी कर रहा था कि उसकी पुलिस कांस्टेबल पद पर भर्ती हो गया। लोगों ने उनके दरवाजे पर पहुंच राधे यादव का मुंह मिठा कराकर अंग वस्त्र देकर सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामना की। नवनियुक्त पुलिस कांस्टेबल राधे यादव से उनके अनुभव को साझा किया। इस अवसर पर मनोज मिश्रा, लखन मद्धेशिया, अमित मदेशिया, अनुभव तिवारी, बंटी राव, बिपिन सिंह मौजूद रहे।

पूर्व सांसद राजेश ऊर्फ गुड्डू पांडेय ने माँ काली मंदिर जीर्णोद्धार हेतु किया भूमि पूजन

संवाददाता
कुशीनगर। यह सौभाग्य की बात है कि जिस प्राचीन माँ काली मंदिर का शिलान्यास मेरे द्वारा लगभग दो दशक पूर्व किया गया था। उसी मंदिर के जीर्णोद्धार व भव्य निर्माण के लिए पुनः भूमि पूजन का सौभाग्य मुझे यहाँ की देवतुल्य जनता ने सौंपा है। यह मंदिर नव्य, भव्य, दिव्य बनेगा और आस्था का केंद्र होगा। यह बातें शुक्रवार को पूर्व सांसद राजेश पांडेय ऊर्फ गुड्डू पांडेय ने फाजिलनगर विकास खण्ड के लवकुश पश्चिम पट्टी में प्राचीन माँ काली मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु भूमि पूजन करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमारा देश देवी-देवताओं व वीरों की धरती है। इन्हीं की पूजा और सम्मान से भारत ने विश्वगुरु के रूप में अपनी पहचान बनाई है। पूर्व सांसद ने भारतीय सैनिकों की वीरता की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत एक सशक्त देश है। माँ काली का आशीर्वाद हमारे जांबाज सैनिकों पर सदैव बना रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। यदि कोई देश भारत की ओर आँख उठाने की भूल करेगा तो उसका परिणाम बहुत ही बुरा होगा। इस दौरान जिपंस प्रतिनिधि राजन शुक्ला, भाजपा नेता पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि पशुपतिनाथ जायसवाल ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के प्रारंभ में भारतीय सैनिकों की विजय के लिए विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस मौके पर अधिवक्ता प्रभु नाथ मिश्र, पंचानंद मिश्र, एसबीएमपीजी कालेज पावानगर के प्रबंधक शक्ति प्रकाश दीक्षित, विद्यावती देवी पीजी कालेज के प्रबंधक बबलू राय, इंद्रजीत मिश्र, जनार्दन मिश्र, बिकेश मिश्र, अभय मिश्र, कृष्ण शंकर मिश्र, क्षेपंस रिंकु मिश्र, प्रियेश पाठक, सोनू दुबे, नागेंद्र पांडेय, ज्ञानप्रकाश पांडेय, बीरेंद्र पांडेय, रामाशीष पांडेय , प्रमोद पाण्डेय, सतीश पांडेय, रमाशंकर मिश्र, सुभाष चन्द्र मिश्र सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कसंचालन भाजपा नेता राणा प्रताप मिश्र व अध्यक्षता सिद्देश्वर मिश्र ने की।

पुलिस की आईडी बनाकर युवती से की दोस्ती

देवरिया । एक युवती के साथ इंस्टाग्राम पर फर्जी पुलिस आईडी के जरिए दोस्ती कर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर को शिकायती पत्र सौंपा है।युवती ने बताया कि अक्टूबर 2019 में इंस्टाग्राम पर रील देखते समय उसे एक मैसेज मिला। मैसेज भेजने वाले की आईडी 'ड्रीम यूपी पुलिस' के नाम से थी। दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। युवक राघव नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर में पढ़ता था। उसके कहने पर युवती ने भी 2022 में वही कोचिंग ज्वाइन कर ली। युवक ने शादी का प्रस्ताव रखा और फिर शारीरिक संबंध बनाने लगा। आरोप है कि वह आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता था। अक्टूबर 2024 में युवती के गर्भवती होने पर उसने शादी से इनकार कर दिया। युवक ने झांसा देकर दवा खिला दी। जनवरी 2025 में युवक ने युवती से बात करना बंद कर दिया। जब युवती ने इसकी शिकायत युवक के पिता से की, तो उन्होंने गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। सीओ सदर संजय कुमार रेड्डी ने कहा कि शिकायत मिल गई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

पांच दिवसीय भारतीय संस्कृति अभिरुचि पाठ्यक्रम आयोजित

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर के तत्वावधान में वर्मी बुद्ध विहार परिसर कुशीनगर में आयोजित पांच दिवसीय भारतीय संस्कृति अभिरुचि पाठ्यक्रम के तीसरे दिन भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता और रुचि विकसित करने को लेकर जागरूक किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. अम्बिका तिवारी, प्रोफेसर इतिहास, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने भारतीय संस्कृति और सिंधु घाटी सभ्यता में समानता की चर्चा की और कहा कि पहले के समय में वर्ण भेद कर्म के आधार पर होता था, किंतु कुछ सुविधा प्राप्त लोगों ने वर्ण भेद में बदलाव कर इसे वंशानुगत कर दिया। यह कार्यशाला प्रतिदिन 10 मई 2025 तक सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक बर्मी बुद्ध विहार में जारी रहेगी और इसका समापन 11 मई 2025 को सायं 4:30 बजे होगा। कार्यक्रम का कुशल संचालन तेज प्रताप शुक्ल द्वारा किया जा रहा है। अतिथियों के प्रति आभार राजकीय बौद्ध संग्रहालय के तरुण शुक्ला द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर 55 प्रतिभागियों के साथ-साथ बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय के डॉ. राकेश सिंह, संग्रहालय के धीरेंद्र मिश्रा, बेग, ललित एवं म्यांमार बुद्ध विहार के भिक्षुगण उपस्थित रहे।

योगी बोलेः भारत विजयी है और रहेगा, कोई शक नहीं

पाकिस्तान अब कराह रहा, लखनऊ के हुसैनगंज चौराहे का नाम बदला

लखनऊ। भारत-पाकिस्तान में जंग के हालात पर सीएम योगी ने कहा - भारत हर हाल में विजयी है और रहेगा। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों ने शरारत की, जिसका सेना के जवानों ने बहादुरी से करारा जवाब दिया। अब पाकिस्तान दुनिया के सामने कराह रहा है। आने वाले समय में पाकिस्तान अपने वजूद के लिए जूझता हुआ दिखाई देगा। सीएम योगी ने महाराणा प्रताप की जयंती पर लखनऊ में ये बातें कहीं। उन्होंने हुसैनगंज चौराहे पर स्थापित महाराणा प्रताप की प्रतिमा का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि आज से हुसैनगंज चौराहा महाराणा प्रताप चौराहा के नाम से जाना जाएगा। आज पाकिस्तान दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है और कराहता हुआ नजर आ रहा है। भारत की कार्रवाई में मारे गए आतंकवादियों के जनाजे में पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारियों और राजनीतिज्ञों की मौजूदगी दुनिया की आंखें खोलने वाली है। यह साबित करता है कि पाकिस्तान न केवल आतंकवादियों को संरक्षण देता है, बल्कि सीधे तौर पर आतंकवाद में शामिल भी है। अब पाकिस्तान अपने वजूद के लिए जूझ रहा है। मुख्यमंत्री ने देशवासियों से अपील की कि वे भारतीय सेनाओं का मनोबल बढ़ाएं और सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से सावधान रहें। हर भारतवासी की जिम्मेदारी है कि हम अपनी सेनाओं के साथ खड़े हों और शरारतपूर्ण कार्रवाइयों को बेनकाब करें। केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में हमें एकजुट होकर काम करना है। भारत हर हाल में विजयी है और रहेगा। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप की वीरता को याद करते हुए कहा- महाराणा प्रताप का त्याग और शौर्य हर भारतवासी के लिए प्रेरणा है। महाराणा प्रताप ने देश के लिए दर-दर की ठोकरें खाईं। हल्दीघाटी की लड़ाई और हर युद्ध जीतकर किले वापस लिए। अकबर की विशाल सेना उनकी वीरता के सामने मजबूर हुई। उनकी संघर्षशीलता हम सबके लिए प्रेरणा है। बता दें कि देश में तनावपूर्ण हालातों के बीच छावनी, रेलवे, एयरपोर्ट प्रशासन ने कमर कस ली है। इन जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सभी जगह एंट्री व निकासी पर कड़ी जांच की जा रही है। रेलवे स्टेशनों की निगरानी ड्रोन से करने की तैयारी है। ट्रेनों में आरपीएफ एस्कॉर्ट बढ़ाया जा रहा है तथा एयरपोर्ट पर बुलेटप्रूफ गाड़ियों से गश्त बढ़ाई गई है। सेना का खुफिया तंत्र भी मुस्तैद हो गया है। हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

अब सरकारी तालाबों को मिलेगी विशिष्ट पहचान

जल निकायों को अतिक्रमण से मिलेगी मुक्ति

पटना। बिहार के सरकारी तालाबों को विशिष्ट पहचान (यूआईडी) मिलेगी। बिहार गजेटियर्स जलनिकायों के संरक्षण की दिशा में मददगार साबित होगी और यूआईडी से संबंधित काम करने में विशेष भूमिका निभाएगी। ये बातें राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने ह्यगजेटियर-कम-एटलस ऑफ वॉटर बॉडीज ऑफ बिहार पुस्तक के विमोचन के दौरान कही। इस पुस्तक का लोकार्पण विभागीय मंत्री ने पटना स्थित मुख्य सचिवालय के अधिवेशन भवन में किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इससे न केवल जल स्रोतों की सुरक्षा और प्रबंधन को बल मिलेगा बल्कि अतिक्रमित जलनिकायों की पहचान कर उन्हें पुनः संरक्षित करने में स्थानीय प्रशासन को मदद मिलेगी। साथ ही राज्य की

नदियां, आर्द्रभूमि, तालाब जैसे जल निकायों की जानकारी मानचित्रों के माध्यम से मिलेगी। पुस्तक विमोचन के अवसर पर मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि जल-जीवन और हरियाली को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जो सोच है, उसी के अनुरुप इस पुस्तक का प्रकाशन हुआ है। उन्होंने कहा कि दरभंगा तालाबों का शहर है। लेकिन जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वहां जाकर ये महसूस किया कि यहां पानी की भीषण समस्या है तो शेष बिहार का क्या होगा? इसके बाद ही मुख्यमंत्री ने जल-जीवन-हरियाली मिशन की शुरूआत की थी। इससे प्रेरणा लेकर ही आज इस पुस्तक का विमोचन हुआ है। इस एटलस में नदियों से संबंधित आंकड़े जल संसाधन विभाग, आर्द्रभूमियों की जानकारी पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, तालाबों की जानकारी जल-जीवन-हरियाली मिशन और ग्रामीण विभाग से प्राप्त किया गया है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने ये भी कहा कि इस एटलस का जल्द ही हिन्दी संस्करण भी प्रकाशित किया जाएगा। आज अंग्रेजी संस्करण की पुस्तक का विमोचन किया गया है। साथ ही राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग 54 वर्षों के बाद पटना जिले का गजेटियर एवं 60 सालों के उपरांत दरभंगा जिला गजेटियर का प्रकाशन भी जल्द करेगा। इस मौके पर विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि यह एटलस जल-संसाधन, कृषि, सड़क, पुरातत्व, आपदा, ग्रामीण विकास सहित कई विभागों और संस्थाओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ होगा। इस दस्तावेज से न सिर्फ प्रशासनिक कार्यों में सहूलियत होगी, बल्कि आम जनता को भी जल स्रोतों से जुड़ी उपयोगी जानकारी एक ही

जगह पर उपलब्ध हो सकेगी। वहीं, इस मौके पर रेरा के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने कहा कि वाटर एटलस तैयार होने से सबसे बड़ा फायदा होगा कि सरकारी कर्मचारियों और पदाधिकारियों को ये जानकारी होगी कि कहां पर कितनी संख्या में कौन-सी जल संरचनाएं मौजूद हैं। इससे अतिक्रमण हटाने में मदद मिलेगी। जो कर्मचारी अतिक्रमण हटाने में नाकाम साबित हो रहे हैं, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। इस पहल से सरकार की जितनी भी जल संरचनाएं हैं, वे अतिक्रमणमुक्त हो सकेंगी और इसका समुचित रिकॉर्ड सरकार के पास रहेगा। विदित है कि इस पहल की शुरूआत वर्ष 2020 में तत्कालीन अपर मुख्य सचिव विवेक कुमार सिंह ने की थी और अब इसे वर्तमान अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने अंतिम रूप दिया है। इस एटलस की खास बात यह है कि इसमें केवल नदियों या जलाशयों की जानकारी नहीं है बल्कि ऐतिहासिक, पुरातात्विक, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय जानकारी भी सम्मिलित है। यह पुस्तक प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ नीति-निमार्ताओं, शिक्षाविदों और शोधकताओं के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी। गौरतलब है कि इस मौके पर राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी के साथ-साथ रेरा के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, सचिव जय सिंह समेत कई विभागीय और क्षेत्रीय पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

जंक्शन के सामने का गोलंबर हटाया, जाम से राहत मिलेगी

पटना। जंक्शन के सामने जाम की समस्या को देखते हुए यहां बने गोलंबर को गुरुवार की रात पूरी तरह से हटा दिया गया। अब नए सिरे से छोटा गोलंबर का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, अन्य गोलंबरों की चौड़ाई को भी कम करने की कवायद शुरू हो गई है, जिसमें सबसे पहले पटना जंक्शन गोलंबर को हटाया गया है। यह पूरी कवायद राजधानी पटन जंक्शन के आसपास के इलाके में जाम की समस्या से निपटने के लिए की जा रही है। लंबे समय से जाम की समस्या से शहर के लोग जूझ रहे हैं। यहां कई चौराहे ऐसे हैं, जिनकी चौड़ाई अधिक है। इसे छोटा कर सड़कों की चौड़ाई बढ़ाई जा सकती है। पटना जंक्शन स्थित गोलंबर भी इनमें शामिल है, जिसे अब छोटा करने की कवायद शुरू हो गई है। अगले सात दिन में चौराहे को तीन गुना छोटा कर दिया जाएगा। छोटा गोलंबर बनाने पर एक करोड़ खर्च किए जाएंगे बिहार राज्य पुल निर्माण निगम ने बताया कि अभी पटना जंक्शन स्थित गोलंबर की चौड़ाई 40 मीटर है, जिसे घटाकर 12 मीटर कर दिया जाएगा। इससे पटना जंक्शन गोलंबर पर यात्रियों का बोझ कम होगा। आवागमन में सहूलियत होगी। इस कार्य पर एक करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। पटना जंक्शन की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अंडरग्राउंड सबवे का निर्माण किया गया है।

तेजस्वी यादव ने सड़क दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों से की मुलाकात, आर्थिक मदद भी की

पटना। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कटिहार जिले के कुरसेला में हुई सड़क दुर्घटना में मारे गए 8 लोगों के परिवारों से मुलाकात की। यह हादसा उस समय हुआ जब कुछ लोग शादी में शामिल होने जा रहे थे। तेजस्वी यादव ने इस दर्दनाक हादसे पर गहरा दुख जताया और पीड़ित परिवारों से मिलकर उनका दुख साझा किया। उन्होंने कहा कि यह घटना पूरे समाज को हिला देने वाली है और पार्टी इस कठिन समय में पूरी तरह से पीड़ित परिवारों के साथ है। राजद पार्टी की तरफ से मृतकों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये और घायलों को 20-20 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी गई। तेजस्वी यादव पूर्णिया जिले

के बड़हरा कोठी प्रखंड के दीबराधनी और लतराहा पंचायत पहुंचे, जहां उन्होंने पीड़ितों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। दुर्घटना में जिन लोगों की मौत हुई, उनमें टुनटुन मंडल, प्रिंस कुमार, धीरज पोद्दार, ज्योति कुमार, रूपेश मंडल, शिको कुमार, राधा मंडल और अजय कुमार शामिल हैं। तेजस्वी यादव ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। बिहार सरकार की खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह ने पूर्णिया जिले के बनमनखी विधानसभा क्षेत्र में सड़क हादसे में मारे गए 8 युवाओं के परिजनों से मुलाकात की। यह दर्दनाक हादसा सोमवार रात बी.कोठी प्रखंड के दिबराधनी और लतराहा पंचायत में हुआ था। मंत्री लेशी सिंह ने शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी और अपनी ओर से हर परिवार को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी। उन्होंने कहा, ₹यह केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि कई परिवारों के सपनों का टूट जाना है। लेशी सिंह ने कहा कि यह दुखद घटना पूरे समाज को झकझोर देने वाली है। उन्होंने कहा, ₹मैं इस कठिन समय में इन परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी हूं। इनका दर्द मैं अपना समझती हूं। हो सकता है यह घाव कभी न भर पाए, लेकिन हम सबको मिलकर इन परिवारों को सहारा देना होगा।' इस मौके पर बनमनखी के विधायक कृष्ण कुमार ऋषि भी मंत्री के साथ मौजूद थे। मंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की।

संक्षिप्त डायरी

बेगूसराय में भी दिखा भारत-पाक के बीच तनाव का असर, खेलो इंडिया के तहत होने वाला फुटबॉल मैच रद

बेगूसराय। हिंदुस्तान-पाकिस्तान में जारी तनाव का असर बेगूसराय में भी देखने को मिला। यहां राजस्थान सरकार द्वारा फुटबाल टीम को अचानक से वापस बुला लिए जाने के कारण शुक्रवार की सुबह रिफाइनरी स्टेडियम में होने वाला फुटबाल मैच रद कर दिया गया। आज सुबह में राजस्थान और बिहार की महिला टीम के बीच मैच होना था। खेलो इंडिया के तहत जिले में मैच चल रहा है। अब शाम में मणिपुर और दिल्ली की महिला टीम का मैच होगा। ओलंपिक्स. कॉम वेबसाइट के मुताबिक खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025, जो कि भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना का सातवां संस्करण है। यह बिहार और नई दिल्ली के कई शहरों में आयोजित हो रहा है। यह प्रतियोगिता 4 मई से 15 मई तक आयोजित की जा रही है। KIYG 2025 में देश भर से 5,000 से ज्यादा युवा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी 27 खेलों में मेडल के लिए मुकाबला करेंगे। ईस्पोर्ट्स को भी खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में शामिल किया गया है, लेकिन यह सिर्फ प्रदर्शनी खेल (डेमो स्पोर्ट) के रूप में होगा। बिहार इस बार अधिकतर खेलों की मेजबानी कर रहा है, जो पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय शहर में खेल आयोजित हो रहे हैं। इसके अलावा नई दिल्ली में शूटिंग, जिमनास्टिक और ट्रैक साइकिलिंग के मुकाबले हो रहे हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स एक टीम चैंपियनशिप फॉर्मेट की तरह होता है। व्यक्तिगत खिलाड़ी या टीम द्वारा जीते गए मेडल उनके राज्य या केंद्रशासित प्रदेश की कुल पदक तालिका में जोड़े जाते हैं।

एम्स दिल्ली से पटना लौटे लालू यादव

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव 36 दिनों के लंबे इलाज के बाद शुक्रवार की देर रात दिल्ली से पटना पहुंचे। दिल्ली एम्स के कार्डियो क्रिटिकल केयर यूनिट में उनका इलाज चल रहा था। पटना पहुँचने पर उनकी बेटी और राज्यसभा सांसद मीसा भारती ने बताया कि लालू प्रसाद यादव की तबीयत अब ठीक है, और धीरे-धीरे वह बेहतर हो जायेंगे। 2 अप्रैल को तबीयत बिगड़ने पर लालू यादव को पटना के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें तुरंत एम्स दिल्ली रेफर किया गया था। पटना एयरपोर्ट पर लालू को व्हीलचेयर पर लाया गया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव और मीसा भारती उनके साथ मौजूद थे। उनके समर्थकों ने ह्लालू यादव जिंदाबादह्व के खूब नारे लगाए। ऑपरेशन सिंदूर पर पूछने पर लालू प्रसाद यादव ने कहा कि- ह्लहमें हमारी सेना पर गर्व है। हमारी सेना ने जो साहस दिखाया, उस पर पूरे देश को गर्व है। जय हिंद!ह्व उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की हर हरकत का जवाब सेना देना जानती है। वहीं राज्यसभा सांसद मीसा भारती ने कहा कि अब भारत चुप नहीं बैठेगा। मीसा भारती ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए भी लिखा है कि, ह्लऑपरेशन सिंदूर ने बता दिया है कि भारत अब केवल सहने वाला नहीं, जवाब देने वाला देश बन गया है। पाकिस्तान को अब हरकतों का अंजाम भुगतना होगा। सेना को सलाम।

नशे में टूटा हैवानियत का बांध

बच्चों के सामने पत्नी की गला दबाकर हत्या

औरंगाबाद। जिले के पोईवां गांव में एक दर्दनाक घटना हुई। शराब के नशे में धुत एक पति ने अपने दो छोटे बच्चों के सामने ही अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। यह घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के पोईवां गांव की है। मरने वाली महिला का नाम गीता कुमारी (उम्र 23 साल) था। वह संतोष कुमार की पत्नी थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतका गीता कुमारी के छोटे भाई विकास कुमार मेहता, जो सिमरी धमनी गांव (माली थाना क्षेत्र) के रहने वाले हैं, ने बताया कि उनकी बहन की शादी साल 2020 में संतोष कुमार से हुई थी। शादी बड़े धूमधाम से हुई थी। विकास ने बताया कि कुछ साल बाद संतोष को शराब पीने की लत लग गई।

वह अक्सर नशे में घर आता और गीता के साथ मारपीट करता था।गुरुवार को भी वह शराब के नशे में घर आया और किसी बात पर गीता से झगड़ा करने लगा। गुस्से में उसने अपने दोनों बच्चों के सामने ही गीता का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। विकास ने यह भी बताया कि बुधवार की रात उसने गीता को फोन किया था। फोन गीता की बेटी ने उठाया और बताया कि घर में चिकन बन रहा है। जब बहन से बात करने को कहा गया तो बच्ची ने बताया कि मम्मी काम खत्म होने के बाद खुद बात करेंगी। लेकिन रात में गीता का फोन नहीं आया। गुरुवार को मृतका के भाई विकास कुमार को उनके जीजा संतोष कुमार ने फोन कर बताया कि गीता (विकास की बहन) की तबीयत बहुत खराब है। जब विकास अपनी बहन के ससुराल पोईवां गांव पहुंचा, तो देखा कि गीता अपने कमरे में बेड पर मृत पड़ी हुई थी। उसके गले पर निशान भी थे। वहां मौजूद गीता की 3 साल की बेटी और 2 साल का बेटा डरे हुए थे। बच्चों ने बताया कि पापा शराब पीकर घर आए थे, मम्मी से झगड़ा हुआ और फिर पापा ने मम्मी का गला दबा दिया। मम्मी मर गई। इसके बाद विकास ने तुरंत पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही औरंगाबाद मुफ्फसिल थाने के थानाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेजा। थानाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने बताया कि मृतका के भाई के बयान पर आरोपी पति संतोष कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने संतोष को गिरफ्तार कर लिया है। घटनास्थल पर एफएसएल (फॉरेंसिक टीम) को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं और मामले की जांच जारी है।

सांसद बोले, युद्ध की जगह देश को बात करनी चाहिए

भागलपुर। पाकिस्तानी आतंकवादियों के कायराना हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है। पूरे देश में जहां सेना के साहस और कार्रवाई की सराहना हो रही है, वहीं महागठबंधन के सहयोगी दल सीपीआई (माले) के सांसद सुदामा प्रसाद ने सेना की कार्रवाई पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गुरुवार को नवगछिया पहुंचे आरा से सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा, 'हमले क्यों हुए, यह भी देखा जाना चाहिए। युद्ध कोई बढ़िया चीज नहीं है। इससे शांति स्थापित नहीं होती। दोनों देशों को कूटनीतिक तरीके से बात करनी चाहिए। अभी भारत में भी बमबारी हो रही है, हमारे यहां भी लोग मारे जा रहे हैं। बैठकर वार्ता होनी चाहिए और अपनी कमियों को तलाशना चाहिए।'. पूछा गया कि क्या आप ऑपरेशन सिंदूर के विरोध में हैं, तो उन्होंने कहा, हमारे मन में जो है, वही बोलते हैं। भाजपा वाले देशभक्ति का सर्टिफिकेट बांटते हैं, जबकि उनका खुद का कोई इतिहास नहीं है। क्या कभी संघ या भाजपा का कोई आदमी आजादी की लड़ाई में शहीद हुआ? सांसद ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह विरोध की आवाज को दबा रही है और असहमति जताने वालों को जेल में डाल रही है।

दिशा बैठक में रेलवे अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर भड़के सांसद

गोपालगंज । जिला समाहरणालय सभागार में गुरुवार देर शाम को जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। यह बैठक सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान बैठक में रेलवे के डीआरएम और एडीआरएम, वाराणसी मंडल की अनुपस्थिति पर सांसद ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी केंद्र सरकार को दी जाएगी। बैठक के दौरान सांसद ने जानकारी दी कि जिले में 12 स्थानों पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की मंजूरी मिल चुकी है। इससे आवागमन में सुविधा बढ़ेगी और ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। सांसद ने बताया कि काकड़ कुंड भोजपुरवा के बीच 4.63 एकड़ भूमि केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए चिन्हित कर ली गई है और इसका प्रस्ताव सरकार को भेजा

गया है। बैठक में सदस्य वीरेंद्र नारायण यादव ने विद्यालयों में शिक्षकों की प्रोन्नति, वेतन और पेंशन भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही बुनियादी सुविधाओं की समेकित जांच कराने की बात कही। एनएचएआई के परियोजना निदेशक ने बताया कि डुमरिया घाट पुल को अब स्टील स्ट्रक्चर में दोबारा बनाने की योजना पर कार्य चल रहा है। विभागीय बैठक में इसपर निर्णय लिया जा चुका है। सांसद ने एनएच 27 की खराब सर्विस रोड, अंडरपास और गड्ढों (पोटहोल्स) की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए त्वरित मरम्मत के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सड़क पर लाइटिंग और रोड एंबुलेंस सेवा की व्यवस्था लगातार बनाए रखने को भी कहा। बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त अनुपालन रिपोर्टों की समीक्षा की गई और कई अन्य विकासात्मक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा चौकस, जवानों की छुट्टी रद्द

विमान यात्रियों का हैंड बैगेज दो बार चेक होगा, विजिटर्स पास पर 18 मई तक रोक

पटना। एयरपोर्ट पर सुरक्षा और सख्त कर दी गई है। शुक्रवार से यात्रियों का हैंड बैगेज दो बार चेक होगा। पहली बार सीआईएसएफ पहले की तरह करेगा, दूसरी बार विमान में सवार होने से पहले। लगेज पहले की तरह चेक होगा। शुक्रवार से विजिटर्स पास निर्गत नहीं होगा। यह 18 मई तक लागू रहेगा। वहीं सीआईएसएफ जवानों की छुट्टी रद्द कर दी गई है। छुट्टी पर गए जवानों को 24 घंटे में ज्वाइन करने को कहा गया है। पटना एयरपोर्ट पर किसी अनहोनी की आशंका को देख वहां की सुरक्षा चौकस कर दी गई है। दिन-रात सीआईएसएफ के जवान वाच टावर से लेकर बाउंड्री के चारों ओर गश्त कर रहे हैं। हर 30 मिनट पर डॉग स्क्वॉयड से एयरपोर्ट के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली जा रही है। बम निरोधी दस्ते से भी जांच शुरू हो गई है। सीसीटीवी से भी यात्रियों और उनके सामानों की निगहबानी तेज कर दी गई है। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, यात्रियों के सामान की गहन जांच की जा रही है। अगर किसी को भी एयरपोर्ट या इसके आसपास कोई संदिग्ध दिखे फौरन स्थानीय पुलिस और एयरपोर्ट प्रशासन को सूचना दे। पटना एयरपोर्ट पर आतंकी हमला, 5 यात्रियों को बंधक बनाया पटना एयरपोर्ट पर आतंकी हमला हुआ है। हथियार से लैस आतंकियों ने 5 यात्रियों को बंधक बना लिया है।

एयरपोर्ट और सीआईएसएफ की ओर से मैसेज फ्लैश किया गया। एयरपोर्ट पर आतंकियों के हमले से निपटने के लिए नए टर्मिनल भवन पर शाम चार बजे से साढ़े

पांच बजे तक मॉक ड्रिल किया गया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों होटलों में देर रात तक जांच अभियान चला। कोतवाली, गांधी मैदान, कंकड़बाग, पत्रकार नगर, जक्कनपुर सहित अन्य थाने की पुलिस ने अपने अपने इलाके के होटलों में जांच अभियान चलाया गया। वहां ठहरे लोगों के बारे में जानकारी ली गई। होटल प्रबंधकों को निर्देश दिया गया कि हर ठहरने वालों की पूरी जानकारी रखी जाए। जिले के सीमा पर भी सख्त जांच के आदेश दिए गए हैं। सीमाओं पर अतिरिक्त बलों को तैनात किए गए हैं। वाहनों की जांच की जा रही है। लोगों से उनका नाम पता भी पूछा जा रहा है। जिले की सुरक्षा व्यवस्था चौकस कर दी गई है। होटलों की भी जांच की जा रही है। शहर के धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों और पार्कों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। तख्तमंदिर साहिब, गुरुद्वारा हांडी साहेब, मनेर शरीफ, महावीर मंदिर, जू, बुद्ध स्मृति पार्क, तारा मंडल, गोलघर, सभ्यता द्वार, कुम्हरार पार्क, पादरी की हवेली, इको पार्क, श्रीकृष्ण विज्ञान केंद्र सहित अन्य छोटे बड़े पार्कों में पुलिस अधिकारी और जवानों की तैनाती की गई है। जवानों को निर्देश दिया गया है कि वे समय समय पर इन जगहों की जांच करें और संदिग्धों पर नजर रखें। एसएसपी ने सभी एसपी, एएसपी और डीएसपी को भी इन जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहने को कहा है। एसएसपी अवकाश कुमार ने कहा कि शहर में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है।

विज के कड़े तेवर, बोले- पाकिस्तान टेरर फैलाता हैं, इनका तो हवा-पानी भी बंद कर देना चाहिए

अंबाला : हरियाणा के ऊर्जा परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज देशभर के सभी टीवी चैनलों से आग्रह करते हुए कहा है कि "वह अपने चैनलों पर बार-बार खतरे के सायरन न बजाएं, जिससे कि लोगों को समय पर सुरक्षा के कदम उठाने में संदेह हो सकता है और समय रहते सुरक्षा के कदम उठाने में देरी हो सकती है"। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान टेरर फैलाता हैं इनका तो हवा-पानी भी बंद कर देना चाहिए। श्री विज ने कहा कि सभी देश भारत की पीठ के पीछे खड़े हो गए हैं इसलिए सभी देशवासियों को इस दौरान एकजुट रहना चाहिए।विज ने टीवी चैनलों से यह आग्रह आज एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए चैनलों से किया है।

विज ने एक्स पर लिखा है कि "सभी चैनलों को प्रार्थना की जाती है कि वह अपने चैनलों पर बार बार खतरे के सायरन न बजाएं क्योंकि यदि कभी असली सायरन बज गया तो लोग इसे भी टीवी का सायरन समझ कर उनकी जो सुरक्षा के कदम उठाने हैं वह उठा नहीं पाएआज मीडिया कर्मियों के द्वारा पाकिस्तान ने लोन की डिमांड की है, जिसको लेकर पाकिस्तान फिर से सवालों में हैं, के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि यह (पाकिस्तान) टेरर फैलाते हैं इनका तो हवा पानी भी बंद कर

देना चाहिए। पाकिस्तान द्वारा दूसरे देशों से मदद मांगने के जवाब में श्री विज ने कहा कि यह युद्ध महाभारत की तरह है किसे पांडवो के साथ जाना है और किसे कौरवों के साथ जाना है। सभी देश भारत की पीठ के पीछे खड़े हो गए हैं। पाकिस्तान के साथ तो 2-3 देश हैं बस?।

पाकिस्तान के साथ बने युद्ध के हालातों पर श्री विज ने कहा कि "युद्ध हो रहा है पाकिस्तान रो रहा है, आगे देखते है कि इसके साथ बनता क्या है। श्री विज ने कहा कि सभी देशवासियों को इस दौरान एकजुट रहना चाहिए। उन्होंने मोदी को इस युद्ध का नायक बताया और कहा कि हमारे सैनिक सीमा पर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं"। पंजाब द्वारा बीबीएमबी से पानी छोड़े जाने को लेकर हाईकोर्ट के आदेशों की भी अवहेलना करने पर बोलते हुए हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने एक बार फिर पंजाब सरकार किसी संविधान और संवैधानिक संस्था को नही मानती है। वहां जाकर फोर्स लगाकर ताले लगाना, उन्हें धमकाना ठीक नही क्योंकि

हरियाणा के ऊर्जा परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज देशभर के सभी टीवी चैनलों से आग्रह करते हुए कहा है कि "वह अपने चैनलों पर बार-बार खतरे के सायरन न बजाएं, जिससे कि लोगों को समय पर सुरक्षा के कदम

यह माननीय कोर्ट के आदेशों की अवहेलना है।

संक्षिप्त डायरी

हरियाणा के मंत्री अनिल विज की अपीलः टीवी चैनल खतरे के सायरन बजाने से बचें

अंबालाः भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाक-अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई की, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने सीमा पर गोलीबारी तेज कर दी। विज ने यह भी कहा कि सरकार और प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने सभी समाचार चैनलों से अपील की है कि वे अपने प्रसारण में बार-बार खतरे के सायरन न बजाएं। यह अपील भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव और हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उत्पन्न संवेदनशील स्थिति के मद्देनजर की गई है। सभी चैनलों को प्रार्थना की जाती है कि वह अपने चैनलों पर बार बार खतरे के सायरन न बजाएं क्योंकि यदि कभी असली सायरन बज गया तो लोग इसे भी टीवी का सायरन समझ कर उनकी जो सुरक्षा के कदम उठाने हैं वह उठा नहीं पाएंगे। विज ने कहा कि सभी चैनलों से प्रार्थना है कि वे अपने प्रसारण में खतरे के सायरन का उपयोग कम करें। अगर कभी वास्तविक सायरन बजता है, तो लोग इसे टीवी का सायरन समझकर भ्रमित हो सकते हैं और अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम नहीं उठा पाएंगे।" उन्होंने यह बयान अंबाला में एक जन शिकायत सत्र के दौरान पत्रकारों से बातचीत में दिया।

पानीपत में गोदाम में फायर सिलेंडर की पिन निकलने से बड़ा हादसा

पानीपत : पानीपत जिले के बापौली स्थित अनाज के गोदाम में फायर सिलेंडर की पिन निकलने से हादसा हो गया। इस हादसे में 21 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत लेकर युवक के शव को पानीपत के सामान्य अस्पताल के शव गृह में रखवाया। युवक के शव का आज पोस्टमार्टम होगा। मिली जानकारी के अनुसार गोदाम की सफाई के दौरान युवक सिलेंडर को उठाकर दूसरी तरफ रख रहा था। परिजनों का आरोप ठेकेदार ने सिलेंडर उठाने को कहा था। सिलेंडर की पिन निकलकर युवक के गले पर लगी। पूरा गला फट गया। मृतक की पहचान 21 वर्षीय सुजल निवासी डोडपुर गांव के रूप में हुई है। सुजल 2 दिन से दिहाड़ी मजूदरी पर गोदाम में जा रहा था। राकेश बोला कि मैंने सिलेंडर नहीं मंगवाया तथा युवक अपने आप ही सिलेंडर से छेड़छाड़ कर रहा था। राकेश ने कहा कि 500 रुपये मजदूरी के हिसाब से सफाई करने जाते थे।

जीटी रोड पर सड़क हादसे में दंपति की मौत, बच्चा गंभीर घायल

गन्नौर : जीटी रोड पर गढ़ी कला के पास वीरवार देर रात को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति की मौत हो गई, जबकि उनका 10 वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना मिलते ही थाना गन्नौर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दंपति के शवों और घायल बच्चे को उपमंडल अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार दंपति अपने बच्चे के साथ पानीपत से दिल्ली की ओर जा रहे थे। गढ़ी कला के पास अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और तीनों सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने दंपति को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बच्चा भी गंभीर रूप से घायल हो गया। बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे खानपुर मेडिकल में रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है।

विंग कमांडर व्योमिका सिंह के ससुराल में जश्न, ग्रामीण बोलेः ऑप्रेशन सिंदूर की सफलता से सीना हुआ चौड़ा

भिवानी : भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से पूरा देश गदगद है। इसमें भिवानी के वीर सैनिकों के गांव बापोड़ा की खुशी कुछ खास है, क्योंकि अभियान की सफलता का किस्सा देश-दुनिया को जिस विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने सुनाया, वह बापोड़ा की बहू हैं। गांव बापोड़ा में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर गांव में खुशी मनाई। व्योमिका के परिवार व आसपास के लोगों ने कहा कि हमें खुशी है कि वो हमारे गांव की बहू है। बापोड़ा के ग्रामीण सतपाल सिंह तंवर, अशोक कुमार, रामधन ने बताया कि वायु सेना में विंग कमांडर व्योमिका सिंह गांव की बहू हैं। उनके पति दिनेश संभ्रवाल भी विंग कमांडर

हैं। ससुर प्रेम सिंह का पूरा परिवार अब भी गांव में ही रह रहा है। व्योमिका फिलहाल पति के साथ गुरुग्राम में रह रही हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना ने दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारा है। यह देश के लिए गौरव की बात है। जिस तरह आतंकवादियों की कायराना हरकत से पूरा देश गुस्से और दुख से जूझ रहा था, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद हर देशवासी के दिल में सुलग रही बदले की भावना थोड़ी शांति मिली है। विंग कमांडर व्योमिका ने जब ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की कहानी मीडिया को सुनाई तो बापोड़ा का हर नागरिक गौरव से भर उठा। लखनऊ में हुआ था व्योमिका का जन्म बता दें कि व्योमिका सिंह भिवानी जिले के बापौड़ा गांव की बहू हैं। व्योमिका सिंह का जन्म लखनऊ में हुआ है। व्योमिका के पति ग्रुप कैप्टन दिनेश सभ्रवाल भारतीय वायुसेना में सेवारत हैं और उनके ससुर प्रेम सभ्रवाल, जोकि सेवानिवृत्त डीईटीसी अधिकारी हैं।

यात्रियों के लिए जरूरी खबर, हरियाणा के इस जिले से अमृतसर-कटरा जाने वाली रोडवेज बसें बंद

सिरसाः भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव को देखते हुए सिरसा रोडवेज की अमृतसर-कटरा जाने वाली बसों को आगामी आदेशों तक बंद कर दिया गया है। इस समय पंजाब के बाकी रूटों की बसें अभी बंद नहीं की

गई है। हालांकि, शाम तक बसें बंद होने की संभावना है। रोडवेज प्रशासन के अनुसार पंजाब में कई जिलों में संवेदनशील स्थिति बनी हुई है। कई जगह पर रास्तों पर भी लगातार चेकिंग की जा रही है और पुलिस फोर्स ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसे देखते हुए रोडवेज प्रशासन ने सावधानी के तौर पर यह फैसला लिया है। रोडवेज प्रशासन ने सभी ड्राइवर और कंडक्टर को आदेश जारी किए हैं कि अगर सायरन बजने की आवाज सुनाई दे तो तुरंत बस को वहीं पर साइड में रोक लें। किसी तरह का पैनिक न फैलाए और यात्रियों को मोटिवेट करते रहें। अगर ब्लैकआउट हो तो तुरंत बस को साइड में रोककर उसकी लाइटें बंद कर दें। इसके अलावा चंडीगढ़, राजस्थान में जाने वाली बस सर्विस पर शाम तक फैसला लिया जाना है। इन रूटों की बसें भी बंद हो सकती है। वहीं सिरसा जिला पंजाब और राजस्थान दोनों राज्यों से टच में हैं। इसलिए यह फैसला लिया गया है।

बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों सरपंच पर की फायरिंग, बाल -बाल बचे

गन्नौर : दुभेटा गांव के सरपंच विकास पर वीरवार शाम को जानलेवा हमला हुआ। बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने सरपंच विकास की स्विफ्ट कार पर फायरिंग की। हमले में सरपंच विकास बाल-बाल बच गए। घटना के बाद हमलावर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, सरपंच विकास अपनी स्विफ्ट कार से गांव से सोनीपत स्थित अपने आवास की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार कैलाना गांव की नहर के पास पहुंची, तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। घटना की सूचना मिलते ही थाना गन्नौर पुलिस

तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सबूत जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। घटना के दौरान सरपंच विकास पूरी तरह सुरक्षित बच गए। थाना प्रभारी जसपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने अज्ञात हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है और आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। सरपंच विकास से भी घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ा तनावः कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने 9 और 10 मई को होने वाली परीक्षाएं की स्थगित

कुरुक्षेत्र : भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को देखते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने 9 और 10 मई को होने वाली परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। लोकसंपर्क विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के देशक डॉक्टर महासिंह पूनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालयने इस संबंध में एक नोटिस जारी किया है। मीडिया सोशल मीडिया के माध्यम से छात्र-छात्राओं को यह सब सूचित किया जा चुका है कि 9 और 10 मई की परीक्षाएं स्थगित की गई हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल 2 दिन ही परीक्षाएं स्थगित की गई है। आगे जैसी भी स्थिति होगी उस स्थिति के अनुसार निर्णय लिया जा सकता है।

हरियाणा में अदालती कार्रवाई की रिकार्डिंग बैन, उल्लंघन करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

चंडीगढ़ : पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश पर प्रदेश में अदालती कार्रवाई के दौरान की जाने वाली रिकोर्डिंग बैन कर दी गई है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने नोटिस जारी कर कहा कि हाईकोर्ट और दोनों

राज्यों (हरियाणा-पंजाब) के जिला कोर्टों में अदालती कार्रवाई की रिकॉर्डिंग बैन की कर दी गई है। इस आदेश का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई और अवमानना कार्यवाही की जाएगी। हाईकोर्ट द्वारा जारी किए गए नोटिस में कहा गया कि कोर्ट आने वाले सभी पक्षों और आम जनता को सूचित किया जाता है कि हाईकोर्ट, पंजाब, हरियाणा तथा चंडीगढ़ के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में किसी भी व्यक्ति या संस्थान द्वारा अदालती कार्रवाई को रिकॉर्डिंग बैन है। इसमें आगे चेतावनी दी गई कि यदि कोई इन आदेशों का उल्लंघन करते हुए पाए जाते हैं तो संबंधित कोर्ट द्वारा कार्यवाही की रिकॉर्डिंग के लिए उपयोग कि

हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर स्क्रीनिंग टेस्ट कैंसिल, एचपीएससी ने जारी किया आदेश

हरियाणा : हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर का होने वाला स्क्रीनिंग टेस्ट कैंसिल कर दिया गया है। इसका नोटिफिकेशन हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन (एचपीएससी) की ओर जारी किया गया है।बताया जा रहा है

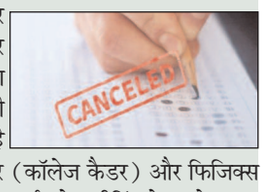

कि केमिस्ट्री सब्जेक्ट में असिस्टेंट प्रोफेसर (कॉलेज कैडर) और फिजिक्स सब्जेक्ट में असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए 11 मई को स्क्रीनिंग टेस्ट होना था, लेकिन भारत और पाक में तनाव के चलते इसे कैंसिल कर दिया गया है। टेस्ट की नई तारीख जल्द ही जारी कर दी जाएगी।

देश की सीमाओं की सुरक्षा में हरियाणा के लाल डटे, 2.75 लाख सैनिक कर रहे सुरक्षा

चंडीगढ़: देश की सीमाओं की सुरक्षा में हरियाणा के लाल डटे हैं। देश की तीनों सेनाओं में सर्वाधिक हरियाणा का योगदान है। यही योद्धा प्राणों की बाजी लगाकर देश को सुरक्षित रखते हैं। यही कारण है कि हरियाणा को योद्धाओं की माटी भी कहा जाता है। कारगिल युद्ध के दौरान भी प्रदेश के 75 सैनिकों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। हरियाणा सैनिक प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष एवं रिटायर कर्नल आरएस सुहाग का कहना है कि 1965 का युद्ध हो या फिर 1971 और 1999 का कारगिल युद्ध, हर मोर्चे पर हरियाणा के वीर सैनिक डटे रहे। जल, थल और वायु सेना में हरियाणा के करीब 2.75 लाख सैनिक कार्यरत हैं। इसी तरह से सेना से सेवानिवृत्त सैनिकों की संख्या भी करीब तीन लाख तक है।

वायु सेना से सेवानिवृत्त अधिकारी व हरियाणा एक्स सर्विसमैन लीग के सदस्य नरेश खोखर और नौसेना से पेटी ऑफिसर पद से सेवानिवृत्त झज्जर निवासी मनोज का कहना है कि सीमा पर तैनात रहने के दौरान की छोड़िए प्रदेश के सेवानिवृत्त सैनिकों में भी देशसेवा का जज्बा रहता है।

शानदार पहलः बहादुरगढ़ की सरपंच ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए दी अपनी 5 साल की सैलरी

बहादुरगढ़ : भारत सरकार ने पहलगांव आतंकी हमले का प्रतिशोध लेते हुए ऑपरेशन सिंदूर चलाया है। पाकिस्तान और पीओके में आतंकी कैम्पों पर सीधी स्ट्राइक कर आतंकियों का खात्मा करने का काम भी किया। ऐसे में पूरा देश भारत के सशस्त्र बलों के साथ खड़ा हो गया है। हर कोई भारतीय सेना के पराक्रम पर गौरवान्वित है। युद्ध जैसे हालात

में भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए बहादुरगढ़ के परनाला हसनपुर गांव की सरपंच मुकेश अशोक राठी ने शानदार पहल की है। महिला सरपंच मुकेश अशोक राठी ने अपना पांच साल का मानदेय भारत सरकार के सहायता कोष में देने का फैसला लिया है। गांव में पंच और महिलाओं के साथ बैठक कर सरपंच मुकेश और उनके पति अशोक राठी ने ये फैसला किया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की तरफ से हर महीने सरपंच को 5 हजार मानदेय मिलता है जो पांच साल में 3 लाख होता है। अतः वो अपने मानदेय के 3 लाख रुपए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आतंक का पूरी तरह सफाया होना मानवता के लिए जरूरी है। ग्रामीणों ने बैठक में भारत माता कर जयकारे भी लगाए।

चाहड़वाला के पास दो बाइकों की जोरदार टक्कर, हादसे में 2 युवकों की मौत

यमुनानगर : थाना छप्पर के अंतर्गत चाहड़वाला गांव के पास दर्दनाक हादसा हुआ। दरअसल, देर रात 2 बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें 2 युवकों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक तेज रफ्तार की वजह से यह हादसा हुआ है। दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करवा पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार देर शाम ढलौर निवासी निखिल और शेरपुर सुलखनी निवासी राहुल किसी काम से चाहड़वाला गांव की तरफ जा रहे थे। चाहड़वाला के पास ही दोनों की तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गंभीर घायल हो गए। उन्हे एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल जगाधरी लाया गया। अस्पताल में डॉक्टर्स ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर थाना छप्पर पुलिह मौके पर पहुंची। जांच अधिकारी ने बताया कि दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करवा कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

थाना छप्पर के अंतर्गत चाहड़वाला गांव के पास दर्दनाक हादसा हुआ। दरअसल, देर रात 2 बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें 2 युवकों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक तेज रफ्तार की वजह से यह हादसा हुआ है। दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करवा पुलिस कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

घरों में पसरा मातम

हादसे के बाद दोनों युवकों के घरों में मातम का माहौल है। निखिल कुछ महीने पहले ही आईटीआई पूरी कर इस्जैक कंपनी में अप्रेंटिस करने लगा था। वहीं राहुल कार मैकेनिक का काम करता था। फिलहाल पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है।हादसे में 2 युवकों की मौतः जांच अधिकारी

हादसे को लेकर जांच अधिकारी सतीश कुमार ने कहा कि बीती रात दो बाइकों में टक्कर हो गई है। इसमें बाइक सवार 2 युवकों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

संक्षिप्त डायरी

आठ हजार से ज्यादा एक्स अकाउंट लॉक, भारत के खिलाफ फर्जी खबरें फैलाने का आरोप

नई दिल्ली / भव्य खबर/ एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान को चौतरफा घेर के रखा है। उसे कहीं से कोई राहत नहीं मिल रही है। जो जहां गड़बड़ी करता है या अफवाह फैलाता है उस पर तत्काल ए शन हो जाता है। ऐसे ही फर्जी खबरें चलाने के आरोप में इंटरनेशनल न्यूज ऑर्गनाइजेशन समेत 8 हजार से अधिक ए स अकाउंट बंद किए गए है। एक्स ने यह दावा अपने ग्लोबल गवर्नेंस अफेयर्स अकाउंट के जरिए किया है। प्लेटफॉर्म ने कहा कि हम इससे सहमत नहीं हैं, ये पोस्ट और अकाउंट सिर्फ भारत में नहीं दिखेंगे।ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स ने अपने ऑफिशियल ए स अकाउंट पर पोस्ट कर बताया कि भारत सरकार ने ऐसे अकाउंट्स और पोस्ट्स को बैन करने के आदेश जारी किए हैं, जो फर्जी खबरें, पाकिस्तान के लिए प्रोपेगैंडा और भारत विरोधी कंटेंट (टे स्ट, फोटो और वीडियो) फैला रहे हैं। सरकार का कहना है कि ये कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए की गई है। कुछ अकाउंट्स पर भारत में अस्थिरता फैलाने और गलत सूचना प्रसारित करने का आरोप है।

सांसद पप्पू यादव ने केंद्र सरकार से पीओके को वापस लाने की अपील की

पूर्णिया / भव्य खबर/ एजेंसी। पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बीच, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। इस मामले में बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भारत सरकार से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को वापस लाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि भारत को अब पीओके को लेने का समय आ चुका है, और वे चाहते हैं कि भारत इस मुद्दे पर कार्रवाई करें। पप्पू यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह सेना को सिधान्त लेने की अपील की है कि वे पाकिस्तान के कजे में विराजमान कश्मीर को स्वतंत्र करें और उसे भारत में शामिल करें। उनका मानना है कि केंद्र सरकार को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को मुक्त कराने का निर्णय लेना चाहिए, जिससे भारतीय सेना ने 24 घंटे में पीओके को भारत में जोड़ देना है। पिछले महीने जमू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों का निषेध किया। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत के 15 शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले की कोशिश की, जिसका मुकाबला भारत ने भी किया। पाकिस्तान की ओर से कुछ हमलों की कोशिश गुरुवार रात को भी हुई, जिसे भारतीय सेना ने रोक दिया। दोनों देशों के बीच फिलहाल तनाव बना हुआ है।

भारत-पाक तनाव के दौरान बिहार में सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा बढ़ाई गई- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सीमांचल में बैठक 10 मई को

पटना / भव्य खबर/ एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच चरम पर पहुंचे तनाव के बीच बिहार के मु यमंत्री नीतीश कुमार ने सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा को लेकर कड़े प्रबंध बढ़ाने का आदेश दिया है। मु यमंत्री ने सभी जिलों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय मीटिंग कर सतर्कता और सुरक्षा की बढ़ाई गई है। इसके साथ ही सीमा पर चौकसी को तीखे किए जाने और संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं पर नजर रखने का निर्देश भी दिया गया है। मु यमंत्री ने सोशल मीडिया और फर्जी खबरों को रोकने के लिए भी सती से कहा है और देश को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहने की अपील की है। भारतीय सेना के साहस और पराक्रम पर मुख्यमंत्री ने उत्साह जताया है और लोगों को पैनिक होने से रोका है। बिहार की सीमाएं नेपाल और बांग्लादेश से मिलती हैं और मु यमंत्री ने उन जिलों की सुरक्षा में सती से लिए गए कदमों की जानकारी दी है। मु यमंत्री नीतीश ने सभी जिलों के डीएम और एसपी से अपने-अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थानों और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर पूरी सर्तकता बरतने को कहा है। साथ ही सोशल मीडिया और अन्य हैंडल के माध्यम से फर्जी खबरों एवं अफवाहों को पूरी सती से रोकने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा है कि सरकार इस मामले में पूरी तरह सजग एवं सतर्क है। लोगों को पैनिक होने की जरूरत नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। भारतीय सेना के साहस और पराक्रम पर पूरे देश को गर्व है।

मुंबई पर हमले की आशंका, हाई अलर्ट जारी, मुंबई पुलिस की सभी छुट्टियां रद्द

मुंबई / भव्य खबर/ एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतपाकिस्तान के बीच तनाव बढड़े के कारण मुंबई में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए गए कायराना हमले को लेकर देश भर में महत्वपूर्ण जगहों पर अलर्ट जारी कर दिया गया है। इस बीच बौखलाए पाकिस्तान ने मुंबई पर भी हमले की धमकी दी है। जिसके बाद मुंबई पुलिस की सभी छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर हाई अलर्ट है। महाराष्ट्र में महत्वपूर्ण जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। गेटवे ऑफ इंडिया समेत महत्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर हाई अलर्ट है। महाराष्ट्र के महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा बलों को सक्रिय कर दिया गया है। - सिद्धिविनायक मंदिर में रविवार से माला और नारियल चढ़ाने पर रोक मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर ने भी सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा फैसला लिया है। मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से कल रविवार से भक्तों को माला और नारियल चढ़ाने पर रोक लगा दी है। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते एहतियातन यह फैसला लिया गया है। इस संबंध में मंदिर प्रशासन की ओर से जल्द ही आधिकारिक जानकारी जारी की जाएगी। मंदिर प्रशासन ने भक्तों से इस फैसले में सहयोग करने की अपील की है।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ शुरु हो सकती है महाभियोग की कार्यवाही !

नई दिल्ली (एजेंसी)। घर में जले नोट मिलने के मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग जैसी कार्यवाही हो सकती है। उनके खिलाफ तैयार रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास पहुंच गई है। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ कैश कांड में जांच रिपोर्ट चीफ जस्टिस को सौंप दी गई थी। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने इस पर यशवंत वर्मा को विकल्प दिया था कि वे अपने पद से इस्तीफा दे दें और यदि ऐसा नहीं किया तो फिर महाभियोग की कार्रवाई की जाएगी। उन्हें जवाब देने के लिए 9 मई तक का वक्त मिला था। जस्टिस वर्मा ने इस संबंध में जवाब भी मुख्य न्यायाधीश को दे दिया है। उनके जवाब और तीन सदस्यीय न्यायिक पैनल की रिपोर्ट को अब चीफ जस्टिस ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के पास बढ़ा दिया है।

माना जा रहा है कि अब राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई होगी। उन्हें इस्तीफे का विकल्प दिया गया था, जिससे वह पीछे हटते दिखे हैं। ऐसे में महाभियोग का ही विकल्प बचा है। अब चीफ जस्टिस ने जब फाइल को प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के समक्ष भेज दिया है तो उनकी भूमिका समाप्त हो जाती है। उनकी ओर से फाइल को पीएम और राष्ट्रपति को बढ़ाने का अर्थ है कि उन्हें हटाने की सिफारिश की गई है। आर्टिकल 124 के तहत किसी जज को हटाने की कार्रवाई नियुक्ति देने वाली अथॉरिटी यानी राष्ट्रपति की ओर से ही हो सकती है। किसी भी जज को आर्टिकल 124 और आर्टिकल 217 के तहत ही हटाया जा सकता है। इसी के तहत महाभियोग का प्रस्ताव संसद में लाया जा सकता है। इसके लिए दुर्व्यवहार और अक्षमता को आधार माना जाता है।

महाभियोग के प्रस्ताव के लिए यह जरूरी है कि इस पर कम से कम 100 लोकसभा सांसदों और 50 राज्यसभा सांसदों की सहमति हो। सदन के स्पीकर की ओर से महाभियोग प्रस्ताव के लिए तीन सदस्यों की कमेटी भी बनाई जा सकती है। इस कमेटी में न्यायिक क्षेत्र के ही तीन लोग होते हैं। कमेटी में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया या सुप्रीम कोर्ट का कोई जज रहता है। इसके अलावा हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस और कोई अन्य विद्वान न्यायविद इसका हिस्सा रहता है। यदि कमेटी रिपोर्ट को सही पाती है तो फिर उसे सदन में पेश किया जाता है और उस पर वोटिंग होती है। महाभियोग की प्रक्रिया के तहत कम से कम दो तिहाई सांसद जज को हटाने के पक्ष में होने चाहिए। यही नहीं संबंधित जज को संसद के समक्ष पक्ष रखने के लिए भी बुलाया जा सकता है। महाभियोग प्रस्ताव को संसद से मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रपति के साइन की जरूरत होती है।

भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि अंतर्गत बोरीवली रेलवे पुलिस का रूट मार्च और सघन जांच अभियान

बोरीवली/ भव्य खबर/ अमित मिश्रा। भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि के मद्देनजर मुंबई में हाई अलर्ट की स्थिति को देखते हुए, रेलवे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शों के अनुसार, मुंबई लोहमार्ग पुलिस आयुक्तालय के क्षेत्र में रुट मार्च, पेट्रोलिंग और सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अवसर पर संदिग्धों की भी जांच की गई ताकि कोई भी अनुचित घटना घटित न हो। इस संबंध में डॉ. रवींद्र शिसवे, पुलिस आयुक्त, लोहमार्ग, मुंबई ने आदेश दिया था। इसके अंतर्गत रेलवे के पुलिस उपायुक्त मनोज पाटील और सहायक पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में बोरीवली रेलवे पुलिस स्टेशन में रुट मार्च और विशेष घातपात जांच की गई। इस रूट मार्च में रेलवे पुलिस के पांच अधिकारी, छत्तीस पुलिस कर्मचारी, रेलवे सुरक्षा दल के चार अधिकारी और पांच कर्मचारी तथा डॉग स्क्वाड के अधिकारियों ने भाग लिया। यह रूट मार्च बोरीवली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से दस तक किया गया जो बोरीवली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर समाप्त हुआ।

पुंछ और राजौरी का दौरा कर सकते हैं उमर, स्कूल की कर दी छुट्टी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला के जम्मू के अलावा पुंछ और राजौरी का भी दौरा करने की संभावना है। अब्दुल्ला 8 मई को जम्मू शहर और आसपास के इलाकों को निशाना बनाकर किए गए असफल पाकिस्तानी ड्रोन हमले के बाद की स्थिति का आकलन करने के लिए जम्मू पहुंचे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के कारण एहतियात के तौर पर जम्मू-कश्मीर में आज और कल सभी स्कूल बंद रहेंगे। जम्मू-कश्मीर की शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कल कहा कि एहतियात के तौर पर जम्मू-कश्मीर में सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय 9 और 10 मई को बंद रहेंगे।

पाकिस्तान के साथ जारी जंग के बीच लेह प्रशासन ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के मद्देनजर जिले के सभी स्कूल शुक्रवार और शनिवार को बंद रहेंगे। लेह के उपायुक्त संतोष सुखदेवा ने कहा, लेह जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल अगले दो दिन तक बंद रहेंगे।उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि सभी से सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन से संपर्क करने का अनुरोध किया जाता है।

गोलाबारी में महिला की मौत

नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर गुलमर्ग, उरी, नौगाम और कुपवाड़ा, राजौरी और पुंछ में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा भारी गोलाबारी में 40 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, भारतीय सशस्त्र बलों ने हमलों को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया।

बीएसएफ कैंप पर हमले की कोशिश

जैसलमेर के रामगढ़ में बीएसएफ कैंप पर सुबह 4.30 से 5.30 बजे के बीच पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमले की एक और कोशिश की गई। रक्षा प्रणाली ने ड्रोन को मार गिराया।

कर्फ्यू जैसे हालात: बॉर्डर वाले इलाकों में इमरजेंसी जैसे बने हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की बौखलाहट को देखते हुए पंजाब, राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में आपातकाल जैसे आदेश लागू कर दिए गए हैं। कई शहरों में ब्लैकआउट और कर्फ्यू जैसी स्थिति है। बता दें कि गुरुवार को पाकिस्तान की तरफ से अमृतसर और पंजाब के अन्य सीमावर्ती इलाकों में मिसाइल दागीं गईं। हालांकि भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने मिसाइलों को आसमान में ही तबाह कर दिया। वहीं शुक्रवार रात भारत ने जवाबी कार्रवाई की जिससे पाकिस्तान के होश उड़ गए।

बाड़मेर की कलेक्टर टीना डाबी ने भी प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया है। फालोदी और आसपास के इलाकों में भी अस्पतालों को अलर्ट मोड प र रखा गया है। यहां करीब 450 बेड रिजर्व कर दिए गए हैं आईसीयू और पावर बैकअप की भी तैयारी करके रखी गई है। पंजाब के गुरदासपुर में एक दिन पले रात 9 बजे से सुबह के 5 बजे तक ब्लैकआउट कर दिया गया था। इसके अलावा गुरुवार को रात ढाई बजे फिरोजपुर में भी बिजली काट दी गई। सुबह चार बजे साइरन बजे और फिर सुबह के 6 बजे के बाद बिजली की सप्लाई शुरू की गई। अमृतसर में मिसाइलों के टुकड़े गिरने के बाद वाघा, हुसैनीवाला और सादिकी में सभी समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि वाघा बॉर्डर पर होने वाली रोज की बीटिंग रीट्रीट को भी रोक दिया गया है।

सीमा के पास वाले इलाकों में लोगों ने अपने घरों के अंदर सुरक्षित स्थान बनाने शुरू कर दिए हैं। जलंधर और होशियारपुर में लोग घरों से कम ही निकल रहे हैं। पंजाब और हरियाणा सरकार ने भी पुलिस, हेल्थकेयर और फायर डिपार्टमेंट की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। मेडिसिन और एसेंशल डिपार्टमेंट में भी छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। गुजरात के पाटन, बनासकांठा और कच्छ में हाई अलर्ट है। गुरुवार को कच्छ में एक ड्रोन जैसी चीज मिली थी। इसकी जांच की जा रही है।राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर और जोधपुर में आधी रात से सुबह के 4 बजे तक ब्लैकआउट लगाया गया था। बाद में इसका टाइम अपडेट किया गया और इसे रात में 9 बजे से ही लागू कर दिया गया। यहां के लोगों को घरों के अंदर रहने और लाइट्स ऑफ करने की सलाह दी गई है। ब्लैकआउट शुरू होने और खत्म होने के समय साइरन बजाए गए। अधिकारियो ने कहा कि आदेश का पालन ना करने वालों के खिलाफ कड़ा ऐक्शन हो सकता है। राजस्थान के सीमाई शहरों में स्कूल, कोचिंग सेंटर, मदरसे और आंगनवाड़ी बंद कर दिए गए हैं। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की परीक्षाओं को भी पोस्टपोन कर दिया गया है। राजस्थान पुलिस ने सभी तरह की छुट्टियां भी रद्द कर दी हैं। एडीजी विशाल बंसल ने कहा कि आईजी से लेकर कॉन्स्टेबल तक सभी को ड्यूटी पर रहना है। आईजी ओमप्रकासश ने कहा कि सीमा वाले इलाकों में ड्रोन ऐक्टिविटी को बैन कर दिया गया है। इसके अलावा पट्रोलिंग बढ़ा दी गई है।

चारधाम यात्रा करने पिछले साल के मुकाबले इस साल 26 फीसदी यात्री कम आए

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा की शुरुआत के एक सप्ताह के अंदर तीर्थयात्रियों की संख्या में 26 फीसदी की गिरावट आई है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों का कहना है कि यह गिरावट बेहतर योजना और पंजीकरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के कारण हुई है। उनका कहना है कि सरकार ने यात्रा शुरू होने से पहले ही ऑनलाइन पंजीकरण शुरू कर दिया था, जिससे भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। इस साल अभी तक 2.9 लाख श्रद्धालुओं ने चारों तीर्थों के दर्शन किए हैं, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह संख्या 3.9 लाख थी।

इस साल चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों की संख्या पिछले साल के मुकाबले कम है। 30 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा के पहले सप्ताह में ही 26 फीसदी की गिरावट आई। मंगलवार तक 2.9 लाख श्रद्धालुओं ने चार धामों के दर्शन किए, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 3.9 लाख था। इस तरह करीब 1 लाख तीर्थयात्री कम आए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह कमी बेहतर योजना और पंजीकरण को सही तरीके से लागू करने के कारण आई है।

राज्य के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि पिछले साल के अनुभव को देखते हुए इस बार 20 मार्च को ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया था। इसके अलावा आधार कार्ड का वेरिफिकेशन भी अनिवार्य कर दिया था और यात्रियों को आगे बढ़ने की अनुमति देने से पहले उनके दस्तावेजों की अच्छी तरह से जांच की गई। मंत्री ने कहा कि ऑफलाइन बुकिंग काउंटर भी बढ़ाए थे, जिससे बेहतर योजना बनाकर भीड़ को रोकने में मदद मिली।

दून स्थित थिंक-टैंक, एसडीसी फाउंडेशन के संस्थापक अनूप नौटियाल ने तीर्थयात्रियों की संख्या में कमी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इस गिरावट का मुख्य कारण इस साल यात्रा का अलग-अलग समय पर शुरू होना है। साल 2024 में केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री 10 मई को खुले थे, जबकि बद्रीनाथ 12 मई को खुला था। इसके विपरीत, इस साल केदारनाथ 2 मई को खोला गया, जबकि यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट 30 अप्रैल को ही खोल दिए गए थे। बद्रीनाथ 4 मई को खुला। इस वजह से तीर्थयात्रियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ी।

उन्होंने कहा कि धीमी शुरुआत के बावजूद, यात्रा के मई के दूसरे चरण में चरम पर पहुंचने की उम्मीद है। पिछले साल भी ऐसा ही देखा गया था, जब गर्मियों की छुट्टियां शुरू होने पर ज्यादा तीर्थयात्री आए थे। नौटियाल ने सरकार और सभी संबंधित पक्षों से आग्रह किया कि वे इस तीर्थयात्रा को सिर्फ एक पर्यटन कार्यक्रम के रूप में न देखें। बुधवार तक 25 लाख से ज्यादा लोगों ने यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें 8.7 लाख केदारनाथ, 7.8 लाख बद्रीनाथ, 4.5 लाख गंगोत्री और 4.1 लाख यमुनोत्री के लिए लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

आतंकियों के ताबूतों पर जो फूल चढ़ाए गए वे इशारा कर रहे मारे गए बड़े आतंकी !

– क्या आतंकी हाफिज सईद या मसूद अजहर भारत के हमले में मारे गए?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार देर रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर भारत ने आतंक के नौ ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। भारत ने जिन ठिकानों पर हमला किया उसमें मुरीदके में हाफिज सईद और बहावलपुर में मौलाना मसूद अजहर का ठिकाना भी था। ऑपरेशन सिंदूर में बहावलपुर के मरकज को मिसाइल अटैक से तबाह कर दिया। ये वह जगह है जो मसूद अजहर का सबसे बड़ा ठिकाना है। वहीं मरकज तैयबा जो मुरीदके में है। वहां पर भारत ने हमला करके हाफिज सईद के सबसे बड़े टेरर प्वाइंट को मिट्टी में मिला दिया। अब सवाल उठा है कि क्या पाकिस्तान में निकले ताबूतों का सीधा रिश्ता हाफिज सईद या मसूद अजहर से हो सकता है?

अटकलें लगाई जा रही है कि क्या इस ऑपरेशन में इन दोनों में से कोई मारा गया है वैसे ताबूतों को देखकर यही लग रहा है कि कोई बड़ा आतंकवादी मारा गया है। वैसे पाकिस्तान की तरफ से ताबूतों पर जो फूल चढ़ाए गए उसमें से एक पर चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लिखा था। वहीं दूसरे पर राष्ट्रपति लिखा था। इसके अलावा एक अन्य ताबूत के सामने लश्कर का कमांडर हाफिज अब्दुल रउफ ने खुद नमाज पढ़ी। ऐसे में इन तीन सबूत और फोटो से यह सवाल उठ रहे हैं कि हाफिज सईद या अजहर मसूद मारा गया है क्या?

पाकिस्तान में पंजाब प्रांत में आतंकवादी के ताबूत पर जो फूल चढ़ाया गया है उस पर लिखा है चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ यानी पाकिस्तानी सेना का प्रमुख आसिम मुनीर ने ये फूल आतंकी के ताबूत के लिए भेजे थे। वहीं एक पर लिखा है प्रेसीडेंट मतलब पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने ये फूल आतकंकवादी की मौत पर भेजे हैं ऐसा लगता है आतंकियों की मौत से इनको झटका लगा है। ताबूत के सामने जो नमाज पढ़ा रहा है वो लश्कर का कमांडर हाफिज अब्दुल रउफ है, जिसके पीछे पाकिस्तानी सेना के तमाम अफसर हाथ बांधकर खड़े हैं। इसीलिए ये सवाल उठ रहे हैं कि क्या भारत ने जो आतंकवाद पर सबसे बड़ा प्रहार किया उसमें हाफिज सईद या मसूद अजहर या फिर इतना ही बड़ा आतंकवादी मारा गया है जिस पर यह लोग आंसू बहा रहे हैं।

भारत ने पाक को मारी दोहरी मार, ऊपर से बम तो जमीन पर पानी का सैलाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ हमले की हिमाकत की, तो उसे जवाब भी मिल गया। एक ओर आसमान से उसकी मिसाइलें और ड्रोन भारतीय फौजों की सतर्कता के आगे टिक नहीं पा रही हैं, तो दूसरी ओर जमीन पर भारत ने पानी का सैलाब छोड़ दिया जिसने पाकिस्तान को हिला कर रख दिया है। गुरुवार को पाकिस्तान की ओर से किए गए सैन्य हमलों का भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। इसके बाद शुकवार सुबह रामबन जिले में स्थित बगलिहार हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के गेट सुबह 8:15 बजे खोल दिए गए। इससे पहले भारत ने कुछ दिन पहले ही इन डैमों के गेट बंद कर दिए थे, जिससे पाकिस्तान में चिनाब नदी का जलस्तर नीचे आ गया था। अब भारी बारिश और डैम के भर जाने से जब गेट खोले गए, ऐसे में वहां बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। इसके बाद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर और ज्यादा दबाव बन जाएगा।

गुरुवार शाम पाकिस्तान ने जम्मू, पठानकोट, उधमपुर, जैसलमेर, पोखरण, जालंधर और भुज जैसे रणनीतिक सैन्य ठिकानों को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाने का प्रयास किया, लेकिन भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने अपनी ताकत और मुस्तैदी से हर कोशिश को नाकाम कर दिया। भारतीय सेना ने तीन पाकिस्तानी फाइटर जेट्स को भी मार गिराया, जिनमें दो जेएफ-17 और एक एफ-16 शामिल थे। ये फाइटर जेट भारतीय हवाई क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें सतर्क रडार सिस्टम और फाइटर स्क्वाड्रन की मदद से हवा में ही निशाना बनाया गया है।

जम्मू-कश्मीर के उरी, अखनूर और पुंछ जैसे सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल हमलों के साथ फायरिंग भी की। कई घरों को नुकसान पहुंचा, लेकिन भारतीय सेना की तत्परता से हालात काबू में रहे। जम्मू के सतवारी में सुबह आसमान में संदिग्ध गतिविधि दिखने पर भारतीय जवानों ने तुरंत फायरिंग कर फ्लाइंग ऑब्जेक्ट को नष्ट कर दिया। भारत की रक्षा प्रणाली में शामिल रूस निर्मित एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने इन हमलों में अहम भूमिका निभाई। राजौरी और पुंछ की नियंत्रण रेखा पर जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई, लेकिन भारत की तरफ से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। जम्मू यूनिवर्सिटी के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया गया।

भारत ने पाकिस्तान को सिर्फ हथियारों से ही नहीं, पानी के जरिए भी करारा जवाब दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में हुई सिंधु जल संधि को विश्व बैंक ने मध्यस्थता के जरिए लागू कराया था। इस संधि के तहत भारत को पूर्वी नदियों (सतलुज, रावी, ब्यास) का और पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) का अधिकार मिला था, लेकिन हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले में 28 लोगों की मौत के बाद भारत ने इस संधि को रद्द करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर ने देशभर में भरा जोश,

कंगना से लेकर अक्षय तक बोले- जय हिंद

भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों के नौ ठिकानों पर स्ट्राइक की है। भारत ने बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे ऑपरेशन सिंदूर के तहत इन आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। अब तक कई बॉलीवुड कलाकारों ने इस ऑपरेशन पर अपना रिएक्शन दिया है... भारत ने 15 दिन पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया है। बीती रात भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एयर स्ट्राइक करते हुए नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। भारतीय सशस्त्र बलों ने इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया है। अब इस ऑपरेशन पर कई बॉलीवुड कलाकार भी अपना रिएक्शन दे रहे हैं। इनमें अनुपम खेर से लेकर विनीत कुमार सिंह जैसे सितारों के नाम शामिल हैं। बुधवार सुबह रितेश देशमुख, निमरत कौर और विनीत कुमार सिंह और अनुपम खेर जैसे एक्टर्स और डायरेक्टर मधुर भंडारकर ने सोशल मीडिया पर इंडियन आर्मी की तारीफ की है। अभिनेता रितेश देशमुख ने इस कार्रवाई के बाद एक्स पर खुशी जाहिर करते हुए लिखा, जय हिंद की सेना... भारत माता की जय। साथ ही, उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर लिखा नजर आ रहा है।

येलो कलर की ड्रेस में पलक तिवारी का अनोखा अंदाज

श्वेता तिवारी की बेटी और अभिनेत्री पलक तिवारी इन दिनों चर्चा में हैं। वह फिल्मों के अलावा अपने फैशनेबल अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है, जिसमें उनका स्वैग अलग ही नजर आ रहा हैं। फैंस उनकी इस फोटो को बेहद पसंद कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में पलक येलो कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। उन्होंने फुल स्लीव्स शर्ट और मिनी स्कर्ट पहनी हुई है। शर्ट के साथ उन्होंने टाई भी पहनी हुई है। बालों को ब्लाउंस देते हुए खुला छोड़ा है और पैरों में ब्लैक हील्स नजर आ रही है। ऑवरऑल उनका लुक बेहद शानदार लग रहा है। उन्होंने इस पोस्ट के साथ कैप्शन में फनी इमोजी भी शेयर किए। उनकी हाल ही में फिल्म द भूतनी रिलीज हुई। इसमें उन्होंने संजय दत्त, मौनी रॉय और सनी सिंह के साथ काम किया। सिद्धांत सचदेवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मौनी ने एक चुड़ैल का किरदार निभाया है। द भूतनी को सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और श्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है, जिसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले दीपक मुकुट, संजय दत्त, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने प्रोड्यूस किया है। पलक तिवारी की पहली फिल्म किसी का भाई किसी की जान थी। इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था। यह फिल्म 2014 की तमिल फिल्म वीरम की रीमेक है, जिसमें उनके साथ सलमान खान, पूजा हेगड़े, वेंकटेश, शहनाज गिल, जगपति बाबू, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम, मालविका शर्मा और राघव जुयाल समेत अन्य सितारे हैं। इसके अलावा, वह हार्डी संधू के हिट म्यूजिक वीडियो बिजली बिजली में भी नजर आई। पलक जल्द ही फिल्म रोमियो एस3 में दिखाई देंगी। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार ठाकुर अनूप सिंह के साथ नजर आएगी। फिल्म में अनूप पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। वह डबल रोल में दिखेंगे। वहीं, एक्ट्रेस उनकी प्रेमिका बनी हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बीच मनोज मुंतशिर ने पाकिस्तान से कहा- 'औकात में रहो'

पाकिस्तान पर भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' को सलाम करते हुए गीतकार-लेखक मनोज मुंतशिर ने पाकिस्तान को खूब खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक क्लिप शेयर करते हुए कहा कि कुल चार युद्ध हुए और पाक हमसे कभी जीत नहीं सका, तो मैं कह सकता हूं कि उन्हें औकात में रहना चाहिए। इंस्टाग्राम हैंडल पर वीडियो क्लिप शेयर करते हुए मनोज मुंतशिर ने लिखा, औकात में रहो। वहीं, वीडियो में वह कहते नजर आए, मैं एक बात सोचता हूं कि पाकिस्तान ने पूरे इतिहास में हमसे कुल चार युद्ध लड़े और चारों हमसे हार गए। तो वो जो मेडल लटकाए चलते हैं, वो क्या कैंडी क्रश गेम खेलकर जीते हैं? आटा मांगने के लिए लाइन लगाते हैं, लेकिन चाहिए उन्हें कश्मीर। पड़ोसी मुल्क पर तंज कसते हुए मुंतशिर ने उन्हें सलाह भी दे दी। उन्होंने आगे कहा, मैं उन्हें एक मशवरा दे देता हूं कि इस दुनिया में रहने के लिए एक से बढ़कर एक जगह हैं, लेकिन अच्छा ये है कि औकात में रहो। इससे पहले मनोज मुंतशिर ने ऑपरेशन सिंदूर की तस्वीर शेयर करते हुए भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया। उन्होंने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, जय हिंद, जय हिंद की सेना। देश के मुद्दों को लेकर मुखर रहने वाले मनोज मुंतशिर ने 25 अप्रैल को एक पोस्ट शेयर कर पहलगाम हमले को लेकर देशवासियों से मार्मिक अपील की थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो जारी करके उन्होंने लोगों से इस घटना को न भूलने की अपील की थी।

मेट गाला में रिहाना ने फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

मेट गाला में रिहाना के स्टाइलिश लुक के साथ प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट फैंस के लिए बड़ा सरप्राइज रहा। रिहाना ने रेड कार्पेट पर ग्रे ब्लैक टू-पीस आउटफिट में शानदार एंट्री की। इस लुक में सिंगर का बेबी बंप भी साफ दिखाई दिया। एक्ट्रेस की ये गुड न्यूज जानकर उनके फैंस बेहद खुश है और सोशल मीडिया पर अब चारों ओर अब रिहाना के ही चर्चे हो रहे हैं। 37 साल की रिहाना का यह तीसरा बच्चा है।

तीसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं रिहाना

सिंगर रिहाना ने न्यूयॉर्क में मेट गाला के रेड कार्पेट पर पुष्टि की कि वह अपने तीसरे बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। रिहाना, जिनका असली नाम रोबिन फेंटी है, ने गहरे नीले फूलों से सजी ड्रेस में अपने पेट को सहलाते हुए मुस्कुराईं। उनके साथी रैपर-ए$AP रॉकी, जिनका असली नाम रकीम मेयर्स है, ने भी खुशी जताई और बधाई देने वालों का धन्यवाद किया। इस जोड़े के पहले से दो बेटे हैं–आर.जेड.ए. (जन्म मई 2022) और रायट (जन्म अगस्त 2023)।एक खबर के मुताबिक, रिहाना ने कहा, अब समय आ गया है कि लोगों को दिखाया जाए कि हम क्या तैयार कर रहे हैं। रॉकी ने कहा, हम बहुत खुश हैं और सबके प्यार के लिए आभारी हैं।

कश्मीरी मुस्लिम होने पर हुआ अली गोनी के साथ भेदभाव

● एक्टर बोले- 50 बिल्डिंग्स गिनवा दूंगा, जिन्होंने बोला कि हम मुस्लिमों को घर नहीं देते

टीवी एक्टर अली गोनी ने कई बार ये जिक्र किया है कि कश्मीरी और मुस्लिम होने पर उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ चुका है। हाल ही में एक पॉडकास्ट में अली ने बताया है कि जब वो गर्लफ्रेंड जैस्मिन भसीन के साथ मुंबई में घर ढूंढ रहे थे, तब कई लोगों ने ये कहते हुए घर देने से इनकार कर दिया कि वो मुस्लिमों को घर नहीं देते। अली गोनी हाल ही में इनकंट्रोवर्शियल पॉडकास्ट में पहुंचे थे। यहां उनसे पूछा गया कि कश्मीरी होने पर उन्हें कैसे भेदभाव का सामना करना पड़ा। इस पर एक्टर ने कहा, इंडस्ट्री में तो कभी ये नहीं हुआ, लेकिन घर ढूंढने में मेरे साथ भेदभाव हुआ। बहुत ज्यादा, आज भी होता है। अभी भी मैं और जैस्मिन घर ढूंढ रहे थे, तो मैं आपको 50 बिल्डिंग्स गिनवा दूंगा, जिन्होंने बोला कि हम मुस्लिमों को घर नहीं देते। आगे अली ने कहा है, मैंने देखा है कि जितने मना करने वाले थे, वो बूढ़े ही थे। या 50-60 के थे। ज्यादा से ज्यादा 5-10 साल जीने वाले हैं वो। उसके बाद या जलकर राख हो जाएंगे या कब्र में दफन हो जाएंगे। तो क्या करेंगे उस बिल्डिंग का। अली गोनी ही नहीं कई सेलेब्स ने भी मुंबई में घर न मिलने की शिकायत की है। कुछ समय पहले ही उर्फी जावेद ने ये मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा है कि कुछ ने उन्हें मुस्लिम होने पर घर देने से इनकार कर दिया, तो किसी को उनके काम से आपत्ति थी। उनके अलावा बिग बॉस 18 का हिस्सा रहीं यामिनी मल्होत्रा भी बता चुकी हैं कि उन्हें मुंबई में घर ढूंढने में दिक्कत हो रही है। वो जहां जाती हैं, वहां उनसे धर्म पूछा जाता है। इसके बाद भी अगर कोई घर देने को राजी हो जाए तो ये सुनकर इनकार कर देता है कि वो एक्ट्रेस हैं। इनके अलावा एक्ट्रेस चारू असोपा, आकांक्षा जुनेजा, बिग बॉस फेम शहजादी और शिरीन मिर्जा ने भी इस तरह की परेशानी का सामने करने का जिक्र किया था।

निशात रेप केस पर फूटा हिना खान गुस्सा कहा-

राक्षस हर धर्म, समुदाय में मौके की तलाश में हैं, शराब को इसके लिए जिम्मेदार न ठहराएं

श्रीनगर के निशात इलाके में हाल ही में एक महिला पर 4 शराबियों ने हमला किया और फिर रेप कर उसकी हत्या कर दी। मामला सामने आने के बाद देशभर में आक्रोश है, हालांकि एक हिस्सा ऐसा भी है जो शराब को इस हत्या और रेप के लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है। इस मामले पर अब हिना खान ने शराब को दोषी ठहराने वालों को करारा जवाब दिया है। एक्ट्रेस का कहना है कि राक्षस हर धर्म और समुदाय में हैं, जो मौके की तलाश में रहते हैं, ऐसे में सिर्फ शराब को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। हिना खान ने ऑफिशियल X प्लेटफॉर्म में लंबी-चौड़ी पोस्ट शेयर कर लिखा है, क्या कोई इन बेवकूफों को रेप और शारीरिक शोषण में फर्क बताएगा। रेप, रेप है और मर्डर, मर्डर है। शारीरिक शोषण को अलग-अलग बताया जा सकता है, लेकिन ये रेप सिर्फ एक संकेत है। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि अपराधी ऐसा कर नहीं सका, न कि ये कि अपराधी ने ऐसा नहीं किया। एक रेपिस्ट खुद के अलावा हर किसी को दोषी ठहराता है। उस अपराधी की तरह व्यवहार न करें। अपराधी को मुफ्त में भागने का कार्ड देने के लिए शराब का इस्तेमाल न करें। रेप को ठीक मत ठहराइए। यौन उत्पीड़न को भी ठीक मत ठहराइए। धर्म, समुदाय, भूगोल या पहनावे के नाम पर नहीं। आगे हिना खान ने लिखा है, ये राक्षस हर जगह, हर समुदाय, हर धर्म में मौजूद हैं। अवसर की तलाश में। शराब कई चीजों का कारण बनती है, लेकिन ये एक अच्छे आदमी को बलात्कारी नहीं बनाती।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित। संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।